वार्षिक प्रतिवेदन

2012-13

(हिन्दी पाठ)

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक
प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
चेन्नई - ६०० ११३

निदेशक की तरफ से

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई - रा.त.शि.प्र.अ.सं. चेन्नई वर्ष २०१२-१३ के लिए वार्षिक प्रतिवेदन के रूप में संस्थान के विभिन्न कार्यकलापों के जरिए तकनीकी शिक्षा में उत्कृष्टता की तलाश में संस्थान के सामूहिक प्रयास पर प्रबंध प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रहा हूँ। हमारे संकाय सदस्यों की समर्पित सेवा से तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण (पॉलिटेकनीक और इंजीनियरिंग कालेज) अनुसंधान, पाठ्यचर्या विकास, समुद्रपार प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा अन्य विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धि को यह प्रतिवेदन प्रतिबिंबित करता है। इस रिपोर्ट में संस्थान का भविष्य निरूपण, मिशन एवं लक्ष्य और उसके प्रकार्य, राज्य, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर के निकायों से समन्वय और विभिन्न राष्ट्रीय योजनाओं के अधीन संस्थान द्वारा लिए गए कार्यकलापों का भी समावेश है।

हम सदा उन प्रोद्योगिकी विकासों का लाभ उठाने का प्रयत्न करते हैं जो हमारे प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी और राष्ट्र भर के हमारे शिक्षकों को सुलभ बना सके। हम स्वीकार करते हैं कि सभी संकाय सदस्यों के लिए प्रोद्योगिकी विश्वसनीय रूप से सुगम नहीं हो सकती। अत: हम अद्यतन प्रोद्योगिकी विकासों का अपने प्रशिक्षण में समावेश करने और उसे किसी को अगम्य और असमर्थ न होने के प्रति सावधान रहते हैं। प्रयोगशाला और अनुदेशात्मक सुविधाओं में सतत सुधार प्रतिभागियों को लाभप्रद अधिगम अनुभव को सुनिश्चित करते हैं और सजावट द्वारा पर्यावरण में परिवर्तन अधिक सुखद अधिगम अनुभव प्रदान करता है।

२०१२-१३ का यह वर्ष विस्तार और विकास का काल रहा। इस वर्ष के दौरान

- *उद्योगों से तकनीकी ४६०० शिक्षकों और कार्मिकों का प्रशिक्षण*
- *८ समुद्रपार शिक्षक पाठ्यक्रमों के माध्यम से ३९ देशों से १२२ शिक्षकों, नीति विर्माताओं और शिक्षा प्रशासकों का प्रशिक्षण*
- *५३ उम्मीदवार डॉक्टोरल और मास्टर्स कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं।*
- *आठ समुद्रपार प्रशिक्षणार्थी कार्यक्रमों की पाठ्यचर्याओं का पुनरीक्षण किया गया।*
- *१३१ अनुदेशात्मक संसाधनों का विकास (मुद्रणटाइप सामग्रियाँ, वीडियो और ई-लर्निंग सामग्रियाँ)*
- *दो करोड़ रुपयों की ७ अनुसंधान और विकास परियोजनाएँ चलाना*

यद्यपि सारी दुनिया में कई हजारों व्यक्तियों की आवश्यकताएँ हम पूरी करते हैं, सबसे अधिक संतोष तब होता है जब हमारे संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त व्यक्तिगत संकाय सदस्यों से उनकी राय सुनते हैं। वे चर्चाओं में भाग लेते हैं और हमारे संकाय सदस्यों को ई-मेल भेजते हैं। आपके अमूल्य समर्थन से हम अपने भावी कार्यक्रम के लिए प्रतिबद्धता और विस्तृत भविष्य निरूपण तैयार करते हैं। यह आशा की जाती है कि पॉलिटेक्नीक / इंजीनियरिंग संस्थाओ के संकाय और प्रबंधन कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए अधिक संख्या में आगे आएँगे में और तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के हमारे सामान्य प्रयास से अधिकतम लाभ उठाएँगे।

संस्थान ने शासक मंडल के अध्यक्ष डॉ. एस.आर.के. प्रसाद, शासक मंडल के अन्य श्रेष्ठ सदस्यों और साथ ही भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सचिव, अपर सचिव, निदेशक, उप शिक्षा सलाहकार तथा अन्य अधिकारियों से अनवरत अभिप्रेरण प्राप्त किया है। मैं इस अवसर पर उनके प्रति आभार प्रकट करता हूँ। इस वर्ष के दौरान प्रभावी शिक्षण के लिए तकनीकी शिक्षकों को तकनीकी शिक्षण के माध्यम से सिद्धहस्त बनाकर तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता की हमारी खोज में जिन्होंने हमें प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया उन सभी को मैं धन्यवाद अर्पित करता हूँ। मैं आशा करता हूँ और आश्वासन देता हूँ कि आनेवाले वर्षों में संस्थान उच्चतर स्तर की उपलब्धियाँ प्राप्त करता रहेगा।

प्रो.डॉ.एस. मोहन
निदेशक

विषय वस्तु सारणी

भाग - १

कार्यकलाप रिपोर्ट

1.0 प्रस्तावना.....1

2.0 लक्ष्य.....2

3.0 २०१२-१३ के दौरान कार्यकलापों का केन्द्र बिन्दु.....3

4.0 संकाय विकास कार्यक्रम.....5

4.1 दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम:.....6

अ) डाक्टर की उपाधि संबंधी अनुसंधान कार्यक्रम:.....6

आ) एम.टेक (मा.सं.वि.) कार्यक्रम:.....7

इ) समुद्रपार प्रशिक्षणार्थी पाठ्यक्रम:.....7

4.2 अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम:.....14

अ) पॉलिटेक्नीक कॉलेज कार्यक्रम.....14

आ) वेब कैस्ट प्रणाली पॉलिटेकनीक कार्यक्रम.....16

इ) इंजीनियरिंग कॉलेज कार्यक्रम.....21

4.3 उद्योग और अन्य संगठन कार्यक्रम.....23

4.4 समझौता ज्ञापन.....25

4.5 संचालित अंतर्राष्ट्रीय / संगोष्ठियाँ / सम्मेलन / कार्यशाला.....26

5.0 पाठ्यक्रम विकास.....31

6.0 अनुदेशात्मक सामग्री विकास.....32

7.0 अनुदेशात्मक मीडिया विकास.....32

8.0 अनुसंधान तथा विकास और विस्तार एवं परामर्श सेवाओं से संबंद्धित परियोजना.....32

9.0 राष्ट्रीय कौशल विकास कार्यक्रम.....33

10.0 पॉलिटेकनिक के जरिए समुदास विकास योजना 35

11.0 अपंग व्यक्तियों को तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा की मुख्य धारा में संयोजित करना 36

12.0 आभासी रा.त.शि.प्र.अ.सं.: 38

13.0 ई-गवर्नन्स परियोजना का कार्यान्वयन.. 39

14.0 हिन्दी भाषा के प्रयोग का कार्यान्वयन 40

15.0 अंत: रा.त.शि.प्र.अ.सं. खेल प्रतियोगिता.. 41

16.0 संकाय समाचार.. 41

17.0 पावतियाँ: 44

18.0 बोर्ड की उप समितियाँ... 44

भाग - २

लेखो पर रिपोर्ट

1.	भारत के नियंत्रक और महा लेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट	60
2.	वार्षिक लेखा	63
	३१.०३.२०१३ को तुलनपत्र	64
	३१.०३.२०१३ को समाप्त वर्ष के लिए आय-व्यय लेखा	65
	३१.०३.२०१३ को समाप्त अवधि/वर्ष का प्राप्तियाँ और अदायगी लेखा	66
	अनुसूची - १ (आधार भूत / पूँजी निधि)	68
	अनुसूची - ३ (उद्दिष्ट / धर्मस्व निधियाँ)	69
	अनुसूची - ७ (चालू देयताएँ और प्रावधान)	70
	अनुसूची - ८ (अचल आस्तियाँ)	71
	अनुसूची - ११-१८ (चालू आस्तियाँ, ऋण और अग्रिम)	72
	अनुसूची - २०-२२ (व्यय)	74
	समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (ओ टी सी) ३१.०३.२०१३ को तुलन पत्र	76
	समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (ओ टी सी) ३१.०३.२०१३ को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए आय-व्यय लेखा	77
	समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (ओ टी सी) ३१.०३.२०१३ को समाप्त होनेवाले वर्ष का प्राप्त्यिाँ और अदायगी लेखा	78
	परियोजना लेखा ३१.०३.२०१३ को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए तुलन पत्र	79
	परियोजना लेखा ३१.०३.२०१३ को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए आय-व्यय लेखा	81
	परियोजना लेखा ३१.०३.२०१३ को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए प्राप्त्यिाँ और अदायगी लेखा	82
	अनुसूची-२४ (उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ)	83
	अनुसूची - २५ (लेखे पर टिप्पणी)	84
	उपयोग प्रमाण पत्र (गैर-योजना) - वेतन	85
	उपयोग प्रमाण पत्र (गैर-योजना) - सामान्य	86
	उपयोग प्रमाण पत्र (योजना) - सामान्य	87
	उपयोग प्रमाण पत्र (योजना) - पूँजीगत आस्तियाँ	88
3.	भविष्य निधि लेखा	89
	भविष्य निधि लेखा ३१.०३.२०१३ को तुलन पत्र	90
	भविष्य निधि लेखा ३१.०३.२०१३ को समाप्त आय-व्यय लेखा	91
	भविष्य निधि लेखा ३१.०३.२०१३ को समाप्त प्राप्त्यिाँ और अदायगी लेखा	92

1.0 प्रस्तावना

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (रा.त.शि.प्र.अ.सं.) चेन्नै भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्वायत्त संस्थान के रूप में सन् १९६४ में स्थापित किया गया ताकि भारत में विशेषकर दक्षिण क्षेत्र में तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टी वी ई टी) प्रणाली की गुणता में सुधार हो। इस अधिदेश को ध्यान मे रखते हुए संस्थान समुचित विधि द्वारा आवश्यकता आधारित मानव संसाधन विकास कार्यक्रम प्रदान करने की और पाठ्यचर्या और अनुदेशात्मक संसाधन विकसित करने की पहल कर रहा है। वह इंजीनियरिंग शिक्षा के अंतर्विषयी क्षेत्र में अनुसंधान कार्य को प्रोत्साहन भी देता है और इंजीनियरिंग कालेजों, पॉलिटेकनिकों, व्यावसायिक संस्थाओं, उद्योग सेवा क्षेत्र और व्यापक रूप से समुदाय के संपूर्ण विकास के लिए परामर्श एवं विस्तार सेवा प्रदान करता है।

उक्त अधिदेश के कार्यान्वयन के लिए तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा में रुचि रखनेवाले और या लाभान्वित होनेवाले राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों, विश्वविद्यालयों अभिकरणों को सहयोग देता है।

भविष्य दृष्टि

रा.त.शि.प्र.अ.सं. चेन्नै का भावी दृष्टिकोण यह है कि तकनीकी शिक्षा संस्थाओं, उद्योग और समुदाय के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम अधिगम संसाधनों, अनुसंधानात्मक अध्ययनों और विस्तार सेवाओं की योजना, अभिकल्पना, विकास कार्यान्वयन एवं मूल्यांकन द्वारा तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा तथा प्रशिजज (टी वी ई टी) की श्रेष्ठता वर्धन में अग्रणी संस्थान के रूप में रहे।

हमारा लघु भविष्य दृष्टि कथन:

"तकनीकी शिक्षा में श्रेष्ठता को बढ़ावा देना"

मिश-ा

रा.त.शि.प्र.अ.सं. चेन्नै भारत में, खासकर दक्षिण क्षेत्र में तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टी वी ई टी) के गुणसुधार के लिए भारत सरकार द्वारा स्थापित एक संसाधन संगठन है।

मिशन के निम्नलिखित अंश हैं जिनके लिए संस्थान प्रतिबद्ध है:

- विभिन्न विधाओं में, जिनमें वेब आधारित विधा भी शामिल है, तकनीकी शिक्षकों के लिए उच्च गुणवत्ता, लचीला, सुसंगत तथा लागत प्रभावी प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करना।
- उद्योग और समुदाय की परिवर्तनशील आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए गतिशील, अग्रगण्य ज ार्यक्रम चलाकर नेतृत्व का प्रदर्शन करना।
- तकनीकी शिक्षकों को प्रभावशाली व सज्जम सेवा प्रदान करने के लिए मानित विश्वविद्यालय जे रूप में विकसित होना।
- इंजीनियरिंग और शिक्षा की समस्याओं ज ो अनुसंधान और विस्तार कार्यकलापों सुलझा-ने में सहायता देना।
- देश में तकनीकी शिक्षा के विकास के लिए कटिबद्ध उद्योग प्रांतीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों, विश्वविद्यालयों और अन्य अभिकरणों के साथ सहयोग स्थापित करना और पोषण करना।

आभ्यांतरिक मूल्य

शिक्षकों और परिणामस्वरूप छात्रों को हमारी सेवा के आभ्यंतरिक मूल्य के शीर्षक निम्न प्रकार है।

- जुजवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रशिक्षण
- टीम कार्य
- अनवरत अधिगम के लिए कर्मचारी विकास
- जुलापन और पारदर्शिता
- अग्रगामी फोज स
- सामाजिक उत्तरदायित्व

2.0 लज्य

संस्था-ा जे लज्य ि-म्-ांकित है:

- ✓ सेवार्थी प्रणाली के अनुसार क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर इंजीनियरिंग कालेजों, पॉलिटेक्नीको व्यावसायिक और प्रबंधन शिक्षा संस्थाओं सहित सभी संस्थाओं का समावेश करते हुए शिक्षकों ज ो जुजवत्तायुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करना।
- ✓ सहकारी शिक्षा योजना द्वारा तकनीकी शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण का प्रबंध करना।
- ✓ तकनीकी शिक्षा प्रशिक्षण प्रणाली तथा उसके प्रबंधन के विकास के लिए अनुसंधान जानकारी प्रदान करने हेतु क्रमबद्ध अनुसंधान कार्य करना।
- ✓ तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा संस्थानों में शिक्षण व अध्ययन के पर्यावरण को सुधारने के लिए -ावी-ा नवप्रवर्तित पद्धति, प्रक्रिया तथा अभ्यासों के विकास पर अनुसंधान कार्य करना और मार्गदर्शन करना।

- ✓ बहुमाध्यमिक अध्ययन सामग्री के उत्पादन के लिए नयी अनुदेशात्मक प्रणाली तथा जौशल जा अभिकल्प बनाना।

- ✓ शैक्षिक व्यावसायिक संस्थाओं तथा अन्य संगठनों के लिए पाठ्यपुस्तकें, प्रयोगशाला पुस्तिका, वीडियो कार्यक्रम, कंप्यूटर पर आधारित प्रशिक्षण तथा मल्टीमीडिया पेकेजों का विकास तथा प्रसार।

- ✓ तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा के शिक्षकों के लिए दूरस्थ शिक्षा द्वारा अत्याधुनिज प्रोद्योगिजी जा प्रयोग कर कार्यक्रम प्रदान करना।

- ✓ तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा के शिक्षकों को विशेषकर सार्क व आशियान देशों की मांग के लिए उपयुक्त कार्यक्रम व पाठ्यक्रम प्रदान करना।

- ✓ फेलोशिप, छात्रवृत्ति, पुरस्कार तथा पदक देने की व्यवस्था करना।

- ✓ समुदाय एवं उद्योग को सतत व अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन करने और विस्तार एवं परामर्श सेवा प्रदान करने के लिए सहयोग देना।

- ✓ उद्योग तकनीकी संस्थाओं / संगठनों के लिए परामर्श और विस्तार कार्य करना।

- ✓ प्रत्येक राज्य की विशिष्ट आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भारत सरकार के अनुमोदन से विभिन्न राज्यों में संस्थान के विस्तार केंद्रों की स्थापना करना।

- ✓ तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली से संबंधित भारत सरकार की सेवाओ का मानव संसाधान विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समय समय पर सौंपे गए कार्यों की समर्थित सेवा प्रदा-ा जरना।

- ✓ पूर्णतः या अंशतः संस्था के समान उद्देश्य वाले विश्व के किसी भाग के शैक्षिक या अन्य शैक्षिक संस्थओं को परस्पर शिक्षकों का विनिमय तथा उनके सामान्य उद्देश्य के लिए सहायक अन्य आवश्यक जार्यक्रमों व सेवाओं का आयोजन।

3.0 २०१२-२०१३ जे दौरा-ा जार्यजलापों जा जेंद्रबिंदु

एक गतिशील संस्थान के रूप में अपने कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों को अति विनिर्दिष्ट रुप से समय समय पर पुनः अभिमुख किया जाता है जिससे सेवार्थी तंत्रों की बदलती मांगों की पूर्ति अग्रगामी रूप से की जा सके। २०१२-२०१३ जे दौरान संस्थान ने कार्यक्रमों, परियोजनाओं और कार्यकलापों को निम्नलिखित पाँच प्रमुज जेत्रों के अधीन ग्रहण किया है। यथा (i) संकाय विकास, (ii) पाठ्यचर्या परिवर्धन, (iii) अनुदेशात्मक संसाधन विकास, (iv) अनुसंधान व विकास, (v) विस्तार व परामर्श सेवाएं।

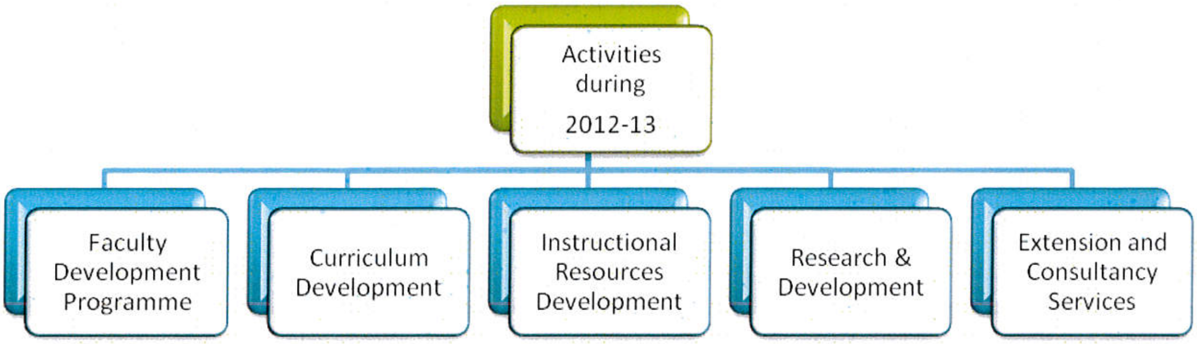

स-त् २०१२-२०१३ में निम्नलिखित कार्यकलापों पर संस्थान ने ध्यान केन्द्रीकृत किया:

१. इंजीनियरिंग कालेजों, पॉलिटेकनिकों और उद्योग के कार्मिको और पेशेवारों को इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, अनुप्रयुक्त विज्ञान, अनुदेशात्मक अभिकल्प और सुपुर्दगी, शैक्षिक प्रौद्योगिकी, प्रत्यायन, व्यूहात्मक योजना, शैक्षिक प्रबंधन, संस्थागत विकास, मानव संसाधन विकास, पाठ्यचर्या विकास और उद्यमवृत्ति विकास जैसे क्षेत्रों में अल्पावधि पाठ्यक्रम द्वारा प्रशिक्षण देना।

२. तकनीकी संस्थाओं के संकाय सदस्यों के लिए बुनियादी एवं उच्च स्तरीय शिक्षा शास्त्र के क्षेत्र में वेब आधारित प्रशिक्षण।

३. शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए संगोष्ठियाँ चलाना।

४. इंजीनियरी कालेजों, पॉलिटेकनिकों के शिक्षकों और उद्योग के कार्मिकों को अंत: शास्त्रीय अनुसंधान कार्यों द्वारा अनुसंधान क्षमता बढ़ाना जिससे उनको पी एच डी उपाधि मिले।

५. एम.टेक. (मा सं वि) जैसे दीर्धकालीन कार्यक्रमों द्वारा इंजीनियरींग कालेजों, पॉलिटेकनिकों और अन्य संस्थाओं के शिक्षकों को प्रशिक्षण देना।

६. विदेशी प्रतिभागियों को विशेष रूप से अभिकल्पित कार्यक्रमों द्वारा विशेषज्ञ मत प्रदान करना।

७. प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रमों का विकास और वर्तमान के पाठ्यक्रमों का पुनरीक्षण।

८. पॉलिटकेनीक और इंजीनियरिंग कॉलेज ज्ी पाठ्यचर्या के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आवश्यक प्रशिक्षण संसाधनों (सामग्री व माध्यम) का विकास।

९. तकनीकी शिक्षा प्रणाली के लिए संगत अनुसंधान व विकास परियोजनाओं का उत्तरदायित्व लेना।

१०. तकनीकी शिक्षको और उद्योग के पेशेवरों ज्े प्रशिक्षण के किए यथार्थ अधिज्म ज्ार्यज्रम विकसित करना और प्रदान करना।

११. निम्नलिखित योजनाओं / परियोजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन और परिवीक्षण के लिए विस्तार व परामर्श सेवायें प्रदान करना।

अ. पॉलिटेकनिक के जरिए सामुदायिक विकास योजना

आ. पालिटेकनिक के लिए उप मिशन

- वर्तमान पालिटेकनीकों ज ो समर्थ ब-ाा-ाा
- महिला छात्रावास निर्माण
- नए पालिटेकनीक स्थापित करना

इ. विकलांगों के लिए परियोजना

ई. राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन

उ. आई सी टी के माध्यम से शिक्षा पर राष्ट्रीय मिशन

ऊ. शिजज ों और शिक्षण पर राष्ट्रीय मिशन

ऋ. प्रत्यायन और नए पालिटेकनीकों के अनुमोदन को सुकर बनाने के लिए विशेषज्ञ समिति का निरीक्षण

ए. इंजीनियरिंग / प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में तकनीकी और परामर्श सेवा।

ऐ. उद्योगों, सरकारी विभागों और सेवा संगठनों के लिए आवश्यकता पर आधारित मानव संसाधन विकास कार्यक्रम और परियोजनाएँ।

4.0 संज ाय विज ास ज ार्यज्र म

इंजिनीयरिंग कालेजों तथा पॉलिटेकनीक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम ही संस्थान का प्रमुख कार्यक्षेत्र है। इसे ध्यान में रखते हुए संस्थान में पालिटेकनीकों, इंजीनियरिंग कालेजों तथा विदेशी शिक्षकों के लिए उनके अपने खास कार्यक्षेत्र में प्रवीणता हासिल करने योग्य विविध अल्पावधि व दीर्घावधि कार्यक्रमों की योजना बनाई गई और संचालन किया गया।

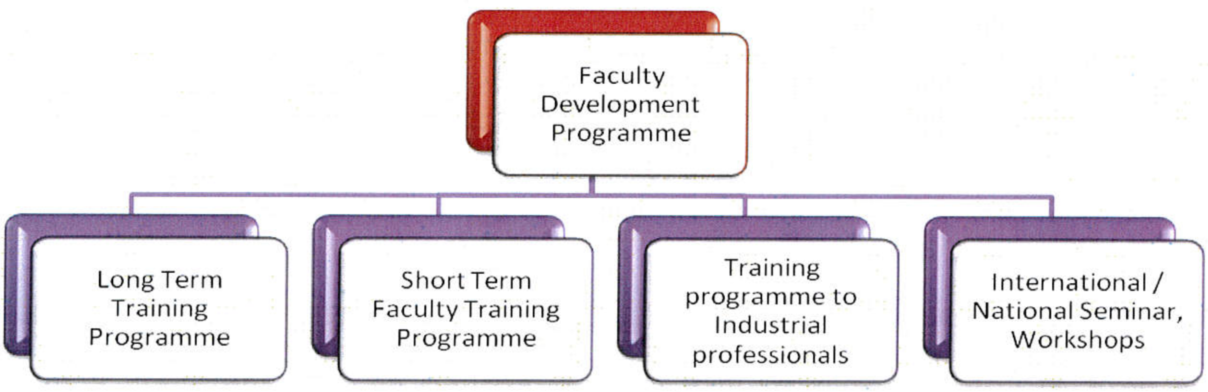

4.1 दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम:

अ) डाक्टर की उपाधि संबंधी अनुसंधान कार्यक्रम:

संस्था ने शिक्षा अनुसंधान कार्यक्रम के विकास के लिए अपना प्रबल प्रयास जारी रखा और साथ ही इंजीनियरी शिक्षा (अंत: शास्त्रीय) क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य करने के लिए उद्योगों और अन्य शिक्षा क्षेत्रों के तकनीज्ी शिक्षकों और कार्मिकों को प्रोत्साहित किया। इस संस्थान को मद्रास विश्वविद्यालय और अण्णा यूनिवर्सिटी, चेन्नई ने मान्यता प्राप्त डॉक्टरल अनुसंधान केंद्र माना है।

इस वर्ष के दौरान मद्रास विश्वविद्यालय की इंजीनियरी शिक्षा (अंत: शास्त्रीय) के क्षेत्र में पी एच डी के लिए दो छात्रों ने पंजीकृत किया है। आज तक कुल ४९ छात्र संस्था के पी एच डी कार्यक्रम में पंजीकृत हुए हैं।

निम्नलिखित तीन अनुसंधान विद्वानों को इस वर्ष के दौरान मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा इंजीनियरिंग शिक्षा में पी एच डी की उपाधि प्रदान की गई।

सारणी १ प्रदत्त पी हेच.डी. डिग्री के विवरण

ज्रम. सं.	नाम और उम्मीदवार का संस्थागत संबंधन	शोध प्रबंध ज्ा शीर्षज	पर्यवेज्ज	डिग्री पाने की तिथि
१.	श्री. सी. वी. आनंद बाबु समूह सुपुर्दजी प्रबंधज एमफासिस हेच पी लिमिटेड, चेन्नई	मिडिज्वेर एस/डब्लयु प्रशिक्षण प्रणाली के लिए एजाइल आधारित अनुदेशात्मज मॉडल	डॉ. टी. ज्ञा-न संबंध-न ईडीपी प्रबंधक और कम्प्यूटर केंद्राध्यक्ष।	३०.०५.२०१२
२.	श्री डी.ई. डेक्सन प्रोफेसर ज्म्प्यूटर विज्ञा-न विभाज, आरुपडई वीडु इन्स्टिटूट आफ टेक्नोलोजी, चेन्नई - ६०३१०४	अधिगम के लिए अनुकूली एवं बुद्धिमान ई-पोर्टफोलियो आर्किटेक्चर की प्रभावात्मकता	डॉ. ई.एस.एम. सुरेश प्रो. और सिविल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष	२६.०९.२०१२
३.	श्री डी. लक्ष्मी नारायणन पूर्णकालिक अनुसंधान छात्र -नीति योजना और शैक्षिक अनुसंधान विभाग, एन आई टी टी टी आर, चेन्नई - ११३	सी प्रोग्रामिंग भाषा में पाइंटर्स का उपयोग करते हुए किसी संरचना के अवयवों के अभिगमन में एमसीए छात्रों की अधिगम कठिनाइयों का निदान।	डॉ. डी. बृहदीश्वरन, नीति योजना और शैक्षिक अनुसंधान विभाग के भूतपूर्व प्रो. और विभागाध्यक्ष	०२.०१.२०१३

ज्ुल ५६ छात्रों को पी.हेच डी उपाधि दी गई है।

पी हेच.डी. प्रगति समीक्षा बैठकें:

प्रति छह महीने में एक बार पी हेच.डी. छात्रों की प्रगति की निगरानी करने के लिए समीक्षा बैठकों चलाने की प्रणाली वर्ष २००९ ज्ो प्रारंभ की गई। इस पहल का उद्देश्य निर्माणात्मक मूल्यांज्-न

और रचनात्मक, प्रतिपुष्टि के जरिए अनुसंधान कार्य की गुणता बढ़ाना है। वर्ष जे दौरा-ा पु-ारीजज समिति ने दि.२-५, मई २०१२ जो छठी प्रगति पुनरीक्षण बैठकों का आयोजन किया। जुल ३५ शोध छात्रों -ो शोध पत्र प्रस्तुत किया। सातवीं प्रगति पुनरीक्षण बैठेकें दि.२२-३०, अक्तूबर २०१२ को बुलाई गई। कुल ३२ छात्रों ने अपना कार्य समीक्षा समिति के सामने प्रस्तुत किया और उपयोगी प्रतिपुष्टि और सुझाव प्राप्त किए।

आ) एम. टेक (मा-ाव संसाध-ा विजास) जार्यज्र म:

यह कार्यक्रम चार सत्रों में चलाए जाते हैं। इसका प्रमुख उद्देश्य है तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में सक्षम संसाधन विकास कर्ताओं को उत्पन्न करना।

प्रबंधन, संगठनात्मक व्यवहार और निष्पादन, औद्योगिक समाज विज्ञान, उद्योग में मनो विज्ञा-ा, मा.सं.वि. में अनुसंधान प्रणाली विज्ञान, मा.सं.वि. में कम्प्यूटर अनुप्रयोग और सूचना प्रोद्योगिकी, संगठनात्मक विकास, रूपांतरण तथा री-इंजिनीयरिंज, मा-ाव संसाध-ा विजास, सामरिज मा-ाव संसाध-ा विकास, अभिकल्पन तथा प्रबंध मानव संसाधन पद्धति, संस्थागत मूल्यांकन तथा विकास तथा मा.सं.वि. के लिए पाठ्यक्रम सामग्री विकास आदि इस कार्यक्रम जे अंतर्गत आते हैं।

इस वर्ष के दौरान ४ उम्मीदवारों एम.टेक (एच आर डी) कार्यक्रम के आठवें बैच में शामिल हुए।

इ) समुद्रपार प्रशिजार्थी पाठ्यक्रम:

वर्ष २०१२-१३ के दौरान संस्थान ने आई टी ई सी कार्यक्रम और उसका उप -िाजम-ा स्जाप (विशेष राष्ट्र मंडल अफ्रीजा सहायता कार्यक्रम) जे तहत समुद्रपार प्रतिभागियों के लिए आठ प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। एशिया, पूर्व यूरोप (पूर्व यू.एस.एस.आर. सहित), मध्य एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका, करीबियन, पैसफिज और छोटे द्वीप देशों में १५८ देशों से असैनिक व्यक्तियों के प्रशिक्षण के लिए इसको भारत सरकार से पूरी निधि प्राप्त है। पिछले ३१ वर्षों से आई टी ई सी के अधीन विभिन्न कार्यकलापों के परिणामस्वरूप अन्य देशों में रा त शि प्र अ सं., चेन्नई द्वारा प्रदत्त सेवा और सक्षमता के बारे में अधिक दृश्यता और बढ़ती अभिज्ञा उत्पन्न हो गई है। इन वर्षों में विदेश मंत्रालय के तकनीकी और आर्थिक सहायता ने विकासशील देशों में सर्वाधिक सद्भावना और यथेष्ट सहयोग उत्पन्न किया है। अंतर्राष्ट्रीय कार्य केंद्र विषय समन्वयकों के साथ कार्यक्रम का समन्वय करता है।

सारजी २: २०१२-१३ के दौरान अष्ट सप्ताही ओ टी सी ज ार्यक्र म

पाठ्यक्रम	विषय सम-वयज
पाठ्यचर्या अभिकल्पन और अनुदेशात्मक सामग्री विज ास	डॉ. एस. धनपाल
जल गुणवत्ता विश्लेषण: प्रयोगशाला विधि	डॉ. एस. मोहन तथा डॉ. जी. जनार्दनन
राष्ट्रीय संवृद्धि पूरा करने के लिए तकनीकी शिक्षा का विकास करना	डॉ. एस. मोहन तथा डॉ. जी. कुलन्दैवेल
आधुनिक पुस्तकालय पद्धति	डॉ. आर. रविचंद्रन
संधारजीय विज ास और पर्यावरणीय प्रबंधन	डॉ. एस. मोहन तथा डॉ. जी. जनार्दनन
तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तीकरण	डॉ. एस. रेणुकादेवी
मा-ाव संसाध-ा विज ास	डॉ. एस. रेणुकादेवी
संसाधन योजना में भौगोलिक सूचना प्रणाली और उसका अनुप्रयोग	डॉ. ई.एस.एम. सुरेश तथा इंजी. के.एस.ए. दिनेश कुमार

सारजी ३: राष्ट्र द्वारा नामांकन: २०१२-१३

देश	नामांकित प्रतिभागियों ज़ी संज्या	देश	नामांकित प्रतिभागियों की संज्या	देश	नामांकित प्रतिभागियों की संज्या
पोलैंड	१	नाइजीरिया	५	भूटान	२
म्या-मार	७	जिम्बाब्वे	४	ईराक	३
सूडान	३	बेलारूस	१	ईथोपिया	८
उज्बेकिस्तान	४	मंज़ोलिया	३	फिजी	५
मॉरीशस	२	बिसाऊ	१	इण्डोनेशिया	२
-ांबिया	३	जे मरु-ा	३	लाओस	३
तंजानिया	६	श्रीलंज ा	२	-ेपाल	७
घाना	५	मलावी	१	वियतनाम	९
ज म्बोडिया	९	बोत्सवाना	२	ज ांगो प्रजातांत्रिक गणराज्य	१
युगाण्डा	२	सियारा लिओन	२	जे -या	३
ज़ाम्बिया	४	सेशेलीस	१	लेसोथो	२
बांज्लादेश	१	फिलिस्ती-ा	१	ज़ि-ी	१
सीरिया	१	जांबिया	१	त्रिनिदाद और टोबोगो	१
				ज ुल उम्मीदवार	१२२

i. "पाठ्यचर्या आयोजन और अनुदेशात्मक सामग्री विकास" पर उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है पाठ्यचर्या अभिकल्प के लिए आवश्यक क्षमता विकसित करना और समुचित अनुदेशात्मक सामग्री का विकास करना। इस पाठ्यक्रम के ३१वें बैच का संचालन इस संस्थान के पाठ्यचर्या विज ास जेंद्र द्वारा १ अगस्त से २७ सितंबर २०१२ तक किया गया। दस देशों से पंद्रह उम्मीदवारों ने कार्यक्रम में भाज लिया - यथा - घाना, मॉरीशस, म्यांमार, बोत्सवाना, ईराक, नेपाल, ज म्बोडिया, वियत-ााम और उज्बेकिस्तान।

अब तक संस्था-ा -ो इस पाठ्यक्रम द्वारा कुल ५५८ समुद्रपार प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया है।

ii. "मा-ाव संसाध-ा विज ास" में उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

विभिन्न सरज ारी तथा उद्योगों के विभागों के संसाधन प्रबंधकों को प्रशिक्षण देना इस पाठ्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है जिससे मा सं वि कार्यक्रमों तथा परियोजना का आयोजन तथा कार्यान्वयन हो सके। इसके छठे बैच का संचाल-ा इस संस्था जे शिजा विभाज द्वारा १ अगस्त से २९ सितंबर २०१२ तक किया गया। इस पाठ्यक्रम में १० अभ्यर्थियों ने ८ देशों से यथा ज म्बोडिया, मलावी, युगांडा, सेशेलीस, म्यन्मार, घाना, नेपाल और जिम्बाब्वे भाग लिया। अब तक (छठे बैच सहित) संस्था-ा -ो इस पाठ्यक्रम द्वारा कुल ९८ समुद्रपार प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया है।

ii. सहस्त्राब्द विज ास लज्य पूरा करने के लिए तकनीकी शिक्षा के विकास पर उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय कार्य केंद्र ने ४ अक्टूबर से २६ -ावंबर २०१२ तक द्वितीय बैच का आयोजन किया। १२ देशों से सोलह प्रतिभागियों ने भाग लिया यथा बेलारूस, कम्बोडिया, घि-नी, बिसाऊ, -नेपाल, सियारा, उज्बेकिस्तान और म्यांमार इस जार्यज्र म ज ा मुज्य जे-द्र बिंदु जौशल ज ामजारों से लेज र इंजीनियरों / प्रोद्योगिकों / प्रबंधकों तक विकासशील उद्योगों की मानव संसाधन आवश्यकतों का मूल्यांकन करना था। सार्वजनिक निजी प्रतिभाग के माध्यम से समर्थकों के प्रतिभाग और दिशा निर्देश द्वारा से तकनीकी शिक्षा संस्थानो के गठन के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विकास पर परिणाम केंद्रित रहा। अब तक (दूसरा बैच सहित) संस्था-ा -ो इस पाठ्यक्रम द्वारा कुल ३३ समुद्रपार प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया है।

iv. "संधारणीय विकास और पर्यावरणीय प्रबंधन" पर उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सकरात्मज समाजगत सूचना और संधारणीय भविष्य के लिए अपेक्षित मूल्यों, व्यवहारों और जीवन शैलियों को मन में बैठाना है।

योग्यता प्रदायक लक्ष्य हैं:

अ. संघारणीय पर्यावरणीय विकास और सामाजिक आर्थिक और पर्यावरजीय समस्याओं को समझने के लिए विधियों और अभिगमों का बोध उत्पन्न कराना।

आ. पर्यावरण पर विकासात्मक परियोजना के प्रभाव जे मूल्यांज-ा जी विधि प्रदा-ा जर-ाा और उचित सुधारात्मक उपाय सुझाना।

इ. संघारणीय विकास के लिए शिक्षा में शिक्षण और अधिगम की वर्धित गुणवत्ता को बढ़ावा देना। इस पाठ्यक्रम का तृतीय बैच पर्यावरण प्रबंधन केंद्र ने ४ अक्तूर से २९ नवंबर २०१२ तक संचालन किया। १२ देशों जे सोलह प्रतिभागियों ने भाग लिया। यथा जांजो, पोलैंड, नेपाल, उज्बेकिस्तान, जिम्बाब्वे, नाइजीरिया, जेमरू-ा, -ामीबिया, लेसोथो, सूडान और वियतनाम। भारत में कार्यान्वयित संधारणीयता पद्धतियों के बारे में समझ ाने के लिए ज्ञामवासियों के साथ रहना और उनसे बातचीत करना पाठ्यक्रम का मुख्यांश था।

समुद्रपार प्रतिभागियों ने ग्रामीण बस्तियों में महिलाओ से बात चीत की कृषि, सूद्धम वित्त और उनके सशक्तीकरण के बारे में उनकी भूमिका की जानकारी प्राप्त की।

इसके अलावा उन्होंने भारत के परिवर्तन में शिक्षा की शक्ति समझी। राष्ट्रीय संवृद्धि में कथित

लज्य संज्या २ - प्राथमिक शिक्षा प्राप्त करना की प्राप्ति में शिक्षा का अधिकार और एस एस ए योजनाओं के जरिए हुई प्रगति को देखा। राष्ट्रीय संवृद्धि के लिए पर्यावरणीय संघारणीयता सुनिश्चित करना लक्ष्य संख्या है। स्थानीय किसानों और एन जी ओ की बैठक में व्यक्त किया गया कि जल, भूमि संघारणीयता सुनिश्चित करने के लिए उत्कृष्ट कृषि प्रणालियाँ क्या हैं। इस यात्रा में यह अनुभव किया गया कि खाद्य आपूर्ति के क्षेत्र में भारत का परिवर्तन करने में भारत सरकार के कृषि केंद्र की क्या भूमिका है। प्रतिभागियों को कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र प्रत्यक्ष अनुभव मिला। अब तज (तृतीय बेच सहित) संस्थान ने इस पाठ्यक्रम द्वारा कुल ६० समुद्रपार प्रशिजार्थियों को प्रशिक्षण दिया है।

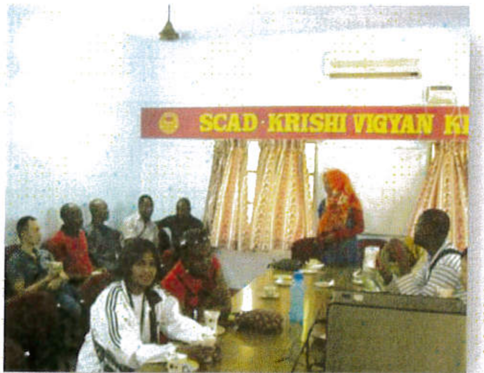

v. आधुनिक पुस्तकालय पद्धति पर उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

इस पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य सू प्रो. आधारित ई एक्सस की सुविधा प्रदान करने के लिए सक्षमता का विकास करना यथा पुस्तकालय प्रक्रिया को मार्ग दिखाना, उप योगकर्ताओं में पढ़ने की अभिरुचि को प्रोत्साहित करना और बढ़ाना - संग्रह, सेवाएँ और सुविधाएँ संचालित और विकसित करना। इस पाठ्यक्रम का संचालन इस संस्था-ा जे संसाध-ा जेंद्र द्वारा ५ दिसंबर से ३० जनवरी २०१२ तक किया गया। १५ देशों से छब्बीस प्रतिभागी इस पाठ्यक्रम में उपस्थित रहे यथा

ईथोपिया, इंडोनेशिया, नेपाल, फिजी गणतंत्र, मंगोलिया, कम्बोडिया, नाइजीरिया, तंजानिया, नाम्बिया, केन्या, लेसाथो, गाम्बिया, वियतनाम, जाम्बियो और जिम्बाब्वे। अब तक (पाँचवें बैच सहित) संस्था-ा -ो इस पाठ्यक्रम द्वारा कुल १११ समुद्रपार प्रशिजार्थियों जो प्रशिजज दिया है।

vi. "तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण" पर उच्चस्तरिय प्रमाज पत्र पाठ्यक्रम

यह कार्यक्रम स्त्रियों में सही रूप से अपने अपने देशों में स्त्री सशक्तिकरण बढ़ाने में सही रण नीति को अपनाने के लिए तथा अपने देश में इसी रण नीति का उपयोग करने के लिए तैयार जिया गया। इसके छठे बैच का संचालन इस संस्थान के शिक्षा विभाग द्वारा ४ फरवरी - २९ मार्च २०१३ तक किया गया। इस पाठ्यक्रम में कुल ९ अभ्यर्थियों ने आठ देशों से भाग लिया। यथा घाना, इंडोनेशिया, ईथोपिया, बाँग्लादेश, तंजानिया, जाम्बिया, म्यांमार और जिम्बाब्वे। अब तक (पाँचवें छठे सहित) संस्था-ा -ो इस पाठ्यक्रम द्वारा जुल ६५ समुद्रपार प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया है।

vii. भौगोलिक सूचना प्रणाली और संसाधन योजना में उसका अनुप्रयोग

इस पाठ्यक्रम प्रथम बैच सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा ०४.०२.१३ से २९.०३.१३ तक चलाया गया। ईथोपिया, वियतनाम, लाओस, तजानिया, फिलिस्तीन, कम्बोडिया, फिजी द्वीप समूह, त्रिनिदाद और टोबागो, सियारा लिओन, नाइजीरिया और म्यांमार से पंद्रह प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस पाठ्यक्रम विषय वस्तु के रूप में (अ) जी आई एस और डिजिटाइजिंग की मूलभूत बातें (आ) नक्शा लक्षण और सृजन (इ) एट्रिब्यूट डेटा प्रबंधन और एम आई एस (ई) जी आई एस प्रश्न करना और प्रस्तुत करना (उ) जी आई एस प्रतिरुपण और ई-गवर्नन्स और (ऊ) परियोजना कार्य।

viii. "जल गुणवत्ता विश्लेषण: प्रयोगशाला विधि" पर उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है उन्नत निगरा-ी, अच्छी प्रयोगशाला अभ्यास तकनीक, प्रभावी प्रयोग और विधिक प्रवर्तन और संस्थागत व्यवस्था के जरिए जल गुणवत्ता के क्षेत्र में अभिनव परिवर्तन और प्रभावनीय विकास प्रदान करना। इस पाठ्यक्रम का तृतीय बैच संस्थान के पर्यावारण प्रबंध-ा जेंद्र ४ फरवरी से २९ मार्च २०१३ तक चलाया गया। सात देशों जे पंद्रह प्रत्यशियों -े भाज लिया यथा - ईथोपिया, इंडोनेशिया, ईराक, लाओस, मंगोलिया, सियारा लिओन, श्रीलंका, तंजानिया, युगांडा, उज्बेकिस्तान और सियतनाम संस्थान द्वारा ३४ समुद्रपार प्रशिक्षार्थी प्रशिक्षित हुए। इस पाठ्यक्रम को १२ पाठ्यचर्या माड्यूल वाली तीन प्रमुख इकाइयों में संरचित किया गया। पूर्व स्थित संबंधित पाठ्यक्रमों में (पाठ्य और भाषण टिप्पणी आधारित क्षेत्र और प्रयोगशाला का) संयोजित भाषणों के साथ यह पाठ्यक्रम उचित

मिश्रण है। प्रशिक्षण कार्यक्रम ने संसाधन विकास, प्रभाव और प्रबंधन के माध्यम से विषय का समन्वेषण किया। अब तक (तृतीय बेच सहित) संस्थान ने इस पाठ्यक्रम द्वारा कुल ३४ समुद्रपार प्रशिजार्थियों जो प्रशिजज दिया है।

समुद्रपार शिक्षक पाठ्यक्रम के मुख्य कार्यक्रम:

→ भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग योजना (ITEC) और विदेश मंत्रालय के विशेष राष्ट्रमंडल आफ्रिका सहायता कार्यक्रम (SCAPP) और भारत सरकार के वित्त मंत्रलाय की कोल्मबो योजना की तकनीकी निगम योजना (TCS) द्वारा ऊपर उल्लिखित आठ पाठ्यज्रमों के लिए प्रतिभागियों की प्रतिनियुक्ति की गई।

→ इस कार्यक्रम में ३९ देशों से जुल १२२ व्यक्तियों ने (शिक्षक व प्रशासकगण) इस कार्यक्रम में भाग लिया।

→ एसडीईएम पाठ्यक्रम में प्रतिभागी गाँव में ठहरते है और संघाराणीयता औरत द्वारा राष्ट्रीय संवृद्धि विकास लक्ष्य में हुई प्रगति से अवगत होते हैं।

→ संगोष्ठियों व व्यक्तिगत परियोजनाओं के माध्यम से प्रतिभागियों ने अपनीव्यक्तिगत प्रस्तुती पेश की।

→ इस यात्रा के दौरान प्रतिभागी भारत की संस्कृति तथा परंपरा से परिचित हुए।

→ उनके द्वारा दी गई प्रतिपुष्टि में उन्होंने बताया है कि उनको जो प्रशिक्षण दिया गया वह अत्यंत प्रभावोत्पादक एवं लाभदायक रहा है।

→ भारत का संभार तंत्र तथा भारत में ठहरने में उनका अनुभव हर्षदायक रहा है।

→ उन्होंने आश्वासन दिया है, कि वापस जाने पर जो क्षमता उन्होंने अर्जित की है उसका स्वदेश में अपने काम में पूरा-पूरा उपयोग जरेंगे।

4.2 अल्पावधि प्रशिक्षण जार्यज्रम:

अ) पॉलिटेकनिक अध्यापकों के लिए अल्पावधि पाठ्यक्रम

इस संस्थान ने भारत सरकार की 'योजना गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम' (QIP) का कार्यान्वयन जारी रखा। इस योजना जा मुख्य उद्देश्य यही है कि अपेक्षकृत कम समय में अधिक संख्या में एक से दो सप्ताहों के अंतर्गत लघुअवधि कर्मचारी विकास पाठ्यक्रम द्वारा अधिक संख्या में शिक्षकों की योग्यता बढाना। अध्यापकों और अन्य कर्मचारियों जा ज्ञान बढ़ाने और अद्यतन प्रोद्योगिकी से परिचित कराने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक से दो सप्ताहों के अंतर्गत प्रशिक्षण-पुन: प्रशिजज जे जार्यज्रमों का आयोजन किया जाता है।इन प्रशिक्षज पाठ्यक्रमों का लगातार पुनरीक्षण, संशोधन, पुन: अभिकल्पन किया जाता है ताकि शिक्षिकों की सदा विकास शील एवं परिवर्ती आवश्यकता की पूर्ति हो सके।

प्रत्येक दक्षिण राज्य के पॉलिटेकनिक के शिक्षकों जी विशिष्ट प्रशिक्षण आवश्यकताओं को यथा अपेक्षित कार्यशालाओं के जरिए पहचाना गया। प्रत्येक राज्य एक के हिसाब से ऐसी चार कार्यशालएँ चलाई गई। इन पाठ्यक्रमों के विवरण, समयावधि, स्थान आदि का निर्णय कार्यक्रम विकास समिति

बैठक में लिया गया जिसमें तकनीकी शिक्षा निदेशालय के प्रतिनिधियों तथा चयनित पालिटेकनीक्स के प्रधानाचार्यों ने भाग लिया था। इस बैठक से यह सुनिश्चित किया गया कि ऐसे नियोजित अभिकल्पित और संचालित कार्यक्रम शिक्षकों की प्रशिक्षण आवश्यकता पूरा कर सके। ये कर्मचारी विकास पाठ्यक्रम संस्थान, उसके विस्तार केंद्रों तथा चयनित पालिटेकनिक्स में आयोजित किए गए। उद्योगों और आई आई टी जैसे प्रसिद्ध संस्था के विशेषज्ञों, सी एस आई आर प्रयोगशालाओं की प्रतिभागिता ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रभावात्मकता बढ़ा दी। अधिकतर प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उद्योग केंद्रों में जाना एक अनिवार्य अंग रहा।

इस वर्ष निम्न विषयों से संबंधित पाठ्यक्रमों का आयोजन किया गया:

- इंजीनियरिंग और प्रोद्योगिकी में विषय वस्तु को अद्यतन बनाना
- अनुदेशात्मक अभिकल्पना और प्रस्तुति प्रणाली (मूल भूत एवं उच्चस्तरीय शिक्षा शास्त्र)
- छात्रों के निष्पादन का मूल्यांकन
- विद्यार्थी सेवाएँ
- मार्गदर्शन एवं परामर्श देना
- तनाव प्रबंधन
- प्रोद्योगिकी समर्थित शिक्षण और अध्ययन
- पुस्तकालय स्वचलीकरण

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान इस क्षेत्र का निष्पादन बहुत प्रभावी रहा है। इसके अंतर्गत १०९ पाठ्यक्रम को चलाये गये तथा कुल **३५१२** अभ्यर्थियों ने पालिटेकनीक से भाग लिया (पुरुष: **२४६९**, स्त्री: **१०४३**) थे। इस प्रकार अब तक **३४९७ पाठ्यक्रमों** जे माध्यम से **६५,२३२ शिक्षक प्रशिक्षित** हुए हैं।

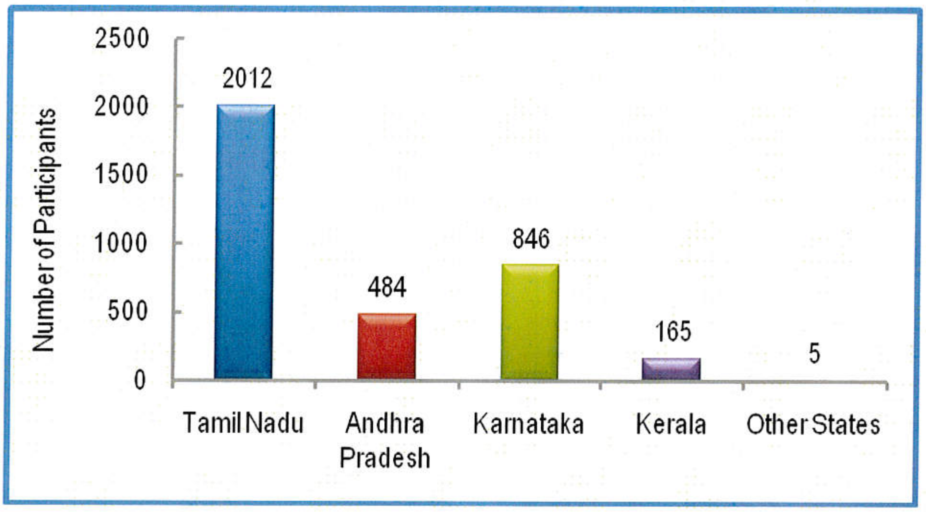

वर्ष २०१२-१३ के दौरान प्रशिक्षित संज ाय संज्या

आ) पॉलिटेकनिक ज ालेज कार्यक्रम-वेब कैस्ट प्रणाली

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने राष्ट्रीय शिक्षकों और शिक्षण मिशन की पहल की है। मिशन शिक्षक योग्यता, शिक्षा शास्त्रीय कौशल, संचार कौशल, प्रोद्योगिकी समर्थित शिक्षण, शिक्षक अनुपस्थिति और उत्तरदायित्व, सतत प्रशिक्षण और पुनः प्रशिक्षण सेवा पूर्व और सेवा में प्रशिक्षण, शैक्षिक वृद्धि और विश्वविद्यालयी और इंजीनियरिंग/तकनीकी शिक्षकों का विकास आदि में विकास के लिए क्षमता निर्माण से संबंधित समस्याओं पर ध्यान देता है। मिशन शिक्षक शिक्षा पर संपूर्ण दष्टि प्रदान करता है और सभी स्तरों पर संस्थागत व्यवस्था को सबल बनाने का सुझाव देता है। इस मिशन के अधीन एन आई टी टी टी आर प्रवेश प्रशिक्षण में अग्रणी भूमिका निभाते है और इस मिश-ा को सर्वाधिक सफल और उपयोगी बनाने के लिए पॉलिटेकनीक और इंजीनियरिंग कालेजों के तकनीकी शिक्षकों को सेवाकालीन प्रशिक्षण प्रदान करते है। मिशन के अंश के रूप में मा.सं.वि.मं. भारत सरकार का लक्ष्य है चालू शिक्षा शास्त्रीय पद्धति पर वर्तमान योजना की अवधि में प्रत्येक पॉलिटेकनीक के शिक्षक को प्रशिक्षित करना और उत्कृष्ट तकनीशियन प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए वर्तमान शिक्षण अध्ययन प्रक्रिया की माँग को पूरा करने की क्षमता उन्हें प्रदान करना। प्रशिक्षण कार्यक्रम के वेब कैस्टिंग के लिए पर्याप्त सुविधाओं के साथ एन आई टी टी टी आर, चेन्नई ने वेबकैस्ट स्टूडियो विकसित किया है। समय सारणी के अनुसार व्याख्यान प्रसारित किए जाते हैं और प्राधिकृत नोडल केंद्र व्याख्यान और चर्चा सत्र को प्रसारित कर सकते है। मा.सं.वि.मं. द्वारा शिक्षण कार्य को प्रभावी बनाने के लिए संकाय सदस्यों को शिक्षा शास्त्रीय प्रशिक्षण देने के महान कार्य के लिए एन आई टी टी टी आरों को चुना गया है।

अब तक वेब आधारित आई डी डी एस कार्यक्रम का छठा बैच चला है। प्रथम कार्यक्रम का तकनीकी शिक्षा निदेशक, तमिलनाडु द्वारा प्रबंधक निदेशक, आटो डेस्क कंपनी, सिंगापुर की बधाइयों के साथ उद्घाटन किया गया। तृतीय सत्र का उद्घाटन ब्रिटिश दूतावास के आयुक्त ने किया। तकनीकी शिक्षा आयुक्त, तमिलनाडु ने उद्घाटन किया और एन आई टी टी टी आर चेन्नई में वेब कैस्ट आई डी डी एस कार्यक्रम चालू किया और प्रतिभागी पॉलिटेकनीकों से परिचर्चा की।

मुज्यालय से व्याख्यान दिया गया और नोडल केंद्रों को संचारित किया गया।

दिए गए व्याख्यान को सुनने में प्रशिक्षार्थी मग्न हैं। सक्रिया प्रतिभागिता सुनिश्चित की गई।

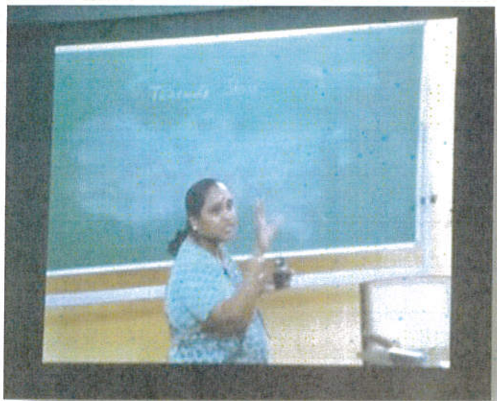

प्रतिभागियों से प्रश्नोत्तर करना और सक्रिय प्रतिभागिता प्रोत्साहित करना।

कार्यक्रम के दौरान एन आई टी टी टी आर के निदेशक प्रत्येक नोडल केंद्र गए और कार्यक्रम की गुणवत्ता की जाँच की।

प्रत्येक कक्षा के अंत में स्काइप मोड के माध्यम से प्रत्येक केंद्र के प्रतिभागियों से चर्चा की गई। कार्यक्रम परस्पर चर्चा की प्रोत्साहित की गई जिससे प्रभावी अधिगम के लिए प्रत्येक प्रस्तुति का अनुपूरण हो सके।

ऑन लाइन परिचर्चा-प्रश्-ोत्तर सत्र

सारजी ४ : पालिटेकनीक पाठ्यक्रमों में नामांकन : २०१२-१३

क्र म. सं.	विषय	प्रतिभागियों की संज्या
एन आई टी टी टी आर परिसर		
१.	अनुदेशात्मक अभिकल्पना और सुपुर्दगी पद्धति	४३
२.	आटो कैड और रेविट का उपयोग करते हुए कम्प्यूटर समर्थित ड्राफ्टिंग और निर्माण सूचना प्रतिरुपण	१६
३.	अनुदेशात्मक अभिकल्पना और सुपुर्दगी पद्धति	४३
४.	वेब आइ डी डी एस - १	३१३
५.	अनुदेशात्मक अभिकल्पना और सुपुर्दगी पद्धति	१९
६.	अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत	१६
७.	अंकीय और तंतु प्रकाशिकी संचार	१७
८.	भारतीय मानक परंपरा संहिता के संबंधित प्रावधान और संरचनात्मक इंजीनियरिंग में उनका अनुप्रयोज	१४
९.	आर डी बी एम एस और उच्चीस्तरीय डी बी एम एस	१२
१०.	ऑन-लाइन मीडिया विकास	१४
११.	कैड और इन्वेन्टर का उपयोग करते हुए अंकीय आदि प्ररुपण	१५
१२.	अनुदेशात्मक अभिकल्पना और सुपुर्दगी पद्धति	४३
१३.	वेब आइ डी डी एस - २	३६३
१४.	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स	१७
१५.	ऐक्टिव सर्वर पेजेस - नेट	१४
१६.	आई एस ८०० -२००७ के अनुसार इस्पात संरचनाओं का लिमिट स्टेट डिजाइन	१९
१७.	सिविल और वास्तुकला शाखाओं के शिक्षकों के लिए शैक्षिक वीडियो रचना कार्यशाला	९

क्र म. सं.	विषय	प्रतिभागियों की संज्या
१८.	वाणिज्यिक अभ्यास शिक्षकों के लिए आर डी बी एम एस का उपयोग करते हुए ऑरेकिल	१४
१९.	संचार कौशल	२६
२०.	आरकैड-कैप्चर, सिमुलेशन और पी सी वी डिजाइन	२३
२१.	सी एन सी मशीन	२३
२२.	मल्टीमीडिया विकास	१६
२३.	मृदु जौशल	२२
२४.	भू प्रोद्योगिकी इंजीनियरिंग	१२
२५.	अनुदेशात्मक अभिकल्पना और सुपुर्दगी पद्धति	१८
२६.	वेब आइ डी डी एस - ३	३२४
२७.	ई-लर्निज प्रोद्योगिकी में विकसित प्रवृत्तियॉ	२४
२८.	जैवचिकित्सकीय इलेक्ट्रॉनिकस और टेलीमेडिसिन	२६
२९.	साफ्टवेर इंजीनियरिंज	१३
३०.	ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में आधुनिक प्रवृत्तियॉ	२५
३१.	मृदु जौशल	२८
३२.	विशेष मशीन और मोटर नियंत्रण	१४
३३.	अनुदेशात्मक अभिकल्पना और सुपुर्दगी पद्धति	४२
३४.	वेब आइ डी डी एस - ४	१७८
३५.	८०५१ माइक्रो नियंत्रक और अनुप्रयोग	१०
३६.	टोटल स्टेशन और जीपीएस का उपयोग करते हुए सर्वेक्षण	१५
३७.	मई एसक्यूएल	१२
३८.	कम्प्यूटर विज्ञान और संबंद्ध शाखाओं के शिक्षकों के लिए शैक्षिक वीडियो रचना कार्ययाला	५
३९.	अनुदेशात्मक अभिकल्पना और सुपुर्दगी पद्धति	१०
४०.	लैबव्यू प्रोजामिंज	३२
४१.	भूकंप प्रति रोधक संरचना की अभिकल्पना	१६
४२.	उच्च स्तरीय विनिर्माण तकनीक	२५
४३.	शैजिज प्रबंध-न	१३
४४.	आई एस ८०० -२००७ के अनुसार इस्पात संरचनाओं का लिमिट स्टेट डिजाइन	३०
४५.	संरचनाओं की मरम्मत और पुनरुद्धार	११
४६.	लिनक्स एड्मिनिस्ट्रेशन और शेल स्क्रिप्टिंग	११
४७.	ई-कन्टेन्ट के लिए मूल्यांकन मद तैयार करना	१३
४८.	पी एल सी और एस सी ए डी ए	२९
४९.	वेब आइ डी डी एस - ५	११४
५०.	कम्प्यूटर समर्थित विनिर्माण एवं माप पद्धति	१२
५१.	पौधा घर संकल्पना और स्थायी विकास	८
५२.	ग्रीन स्टोन - अंकीय पुस्तकालय साफ्टवेर	२८
५३.	विजुवल बेसिक . नेट	८

क्र.म. सं.	विषय	प्रतिभागियों की संख्या
५४.	ई-कन्टेन्ट और अधिगम प्रबंधन प्रणालियाँ	२१
५५.	उपग्रह और गतिशील संचार	२२
५६.	रोबोटिक्स और मेकाट्रानिक्स औद्योगिक स्वचलन के लिए	१८
५७.	आटोकैड और रेविट का उपयोग करते हुए कम्प्यूटर समर्थित ड्राफ्टिंग और निर्माण सूचना प्रतिरूपण - वास्तुकला पैकेज	२०
५८.	वीडियो रचना के लिए ग्राफिक्स और एनिमेशन	१६
५९.	८०८६ एसम्बली लैंग्वेज प्रोग्रामिंग और उच्चस्तरीय माइक्रो प्रोसेसर	१७
६०.	पर्यावरजीय प्रभाव ज्ञ मूल्यांज्न	६
६१.	प्रश्न पत्र निर्माण और छात्र निष्पादन का मूल्यांकन	८
६२.	शिक्षा के लिए अंकीय मीडिया विकास	२५
६३.	अनुदेशात्मक अभिकल्पना और सुपुर्दगी प्रजाली	१७
६४.	वेब आइ डी डी एस - ६	२१७
६५.	मार्गदर्शन और परामर्श	२६
६६.	भूसूचना प्रणाली और मेपिंग	१२
६७.	जावा का उपयोग करते हुए वस्तुनिष्ठ प्रोग्रामिंग	१३
६८.	पी एल सी पर उच्चस्तरीय पाठ्यक्रम	१७
६९.	मुक्त एवं विवृत स्रोत साफ्टवर (एफ ओ एस एस)	१६
७०.	तकनीकी शिक्षा में लिंग समस्या	३३
७१.	अंत:स्थापित प्रणाली (ए आर एम नियंत्रज)	२१
७२.	पर्यावरणीय इंजीनियरिंग पुस्तकालय प्रणाली	१३
७३.	रेविट वास्तुकला और संबंद्ध आटो डेस्क उत्पाद	१७
७४.	मेटलेब प्रोग्रामिंग	२३
७५.	लैनेक्स प्रचालन प्रणाली	१५
७६.	रेफ्रिजरेशन और वातानुकूलन	२७
७७.	पावर सिस्टमों में ऊर्जा प्रबंधन और आधुनिक प्रवृत्तियाँ	१२
७८.	उच्चस्तरीय जावा प्रोग्रामिंग	१२
७९.	यांत्रिक एवं संबंद्ध शाखाओं के शिक्षकों के लिए शैक्षिक वीडियो रचना कार्यशाला	१८
८०.	नानो टेक्नोलोजी और अनुप्रयोग	२३
८१.	अंत:स्थापित प्रणाली (ए आर एम नियंत्रक)	१५
८२.	डेटा संचार और कम्प्यूटर नेट वर्किंग	२०
८३.	सिस्टम एड्मिनिस्ट्रेशन	१४
८४.	मार्गदर्शन और परामर्श	२७
८५.	पाठ्यचर्या विकास - प्रजाली विज्ञान	२४
८६.	कम्प्यूटर समर्थित अभिकल्पना और विनिर्माण	२५
८७.	अनुदेशात्मक अभिकल्पना और सुपुर्दगी पद्धति	१३
८८.	मेटलेब और लेबव्यू का उपयोग करते हुए आयासी यंत्रीकरण	१६

क्र म. सं.	विषय	प्रतिभागियों की संख्या
८९.	संस्थागत आवश्यकताओं के लिए ई-जर्नल्स का कार्यान्वयन	१०
९०.	कम्प्यूटर विज्ञान और संबंद्ध शाखाओं के शिक्षकों के लिए शैक्षिक वीडियो फिल्म निर्माण कार्यशाला	८
९१.	वेल्डन और विनिर्माण तकनीक में प्रगति	१३
९२.	छात्र मूल्यांकन	२१
९३.	मृदु कौशल	३७
९४.	इन्वेन्टर उपयोग करते हुए कैड और अंकीय प्रतिरूपण	२३
एन आई टी टी टी आर - विस्तार केंद्र - बंगलूरु		
९५.	कैट्स २	२०
९६.	कम्प्यूटर समर्थित विनिर्माण और सी एन सी मशीनिंग	६
एन आई टी टी टी आर - विस्तार केंद्र - हैदराबाद		
९७.	प्रधानाचार्यों के लिए पॉलिटेकनीकों का प्रबंधन	२४
९८.	कैड ३डी	३०
९९.	बेतार संचार में प्रगति	२३
१००.	कम्प्यूटर यंत्र सामग्री और नेटवर्किंग	३०
१०१.	छात्र मार्गदर्शन और परामर्श	१६
१०२.	नए भर्ती किए गए शिक्षकों के लिए परिचय कार्यक्रम	४८
एन आई टी टी टी आर - विस्तार केंद्र - कलमसेरी		
१०३.	सामान्य इंजीनियरिंग	३५
१०४.	ऊर्जा प्रबंधन और लेखा परीक्षा	२२
१०५.	वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत और प्रबंधन	१६
१०६.	विवृत स्रोत सॉफ्टवेर - कोहा (KOHA)	१८
१०७.	प्रयोगशाला अभ्यास पुस्तिका - विद्युत इंजीनियरिंग के विकास पर कार्यशाला	२१
१०८.	पर्यावरज विज्ञान और आपदा प्रबंधन	१८
१०९.	सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला के लिए अधिगम संसाधन विकास के लिए कार्यशाला	१७
	कुल	३५१२

इ) इंजीनियरिंग कालेज कार्यक्रम

इस संस्थान ने इंजिनीयरिंग कॉलेज के शिक्षकों के प्रशिक्षण द्वारा इंजीनीयरिंग कॉलेजों में शिक्षा की गुणवत्ता की वृद्धि के लिए अपने क्रिया कलापों को केंद्रित किया। इस योजना के अंतर्गत २२ लघु अवधि पाठ्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें कुल ९८८ प्रतिभागियों ने (पुरुषः ५३२, स्त्रीः ४५६) भाग लिया। प्रशिक्षण मूल रूप से कक्षा इंजीनियरिंग के लिए औजार थैले के रुप में ध्यान केंद्रित करता है। इस शिक्षा वर्ष में कार्यक्रम की प्रभावारमकता को मापने के लिए ऑनलाइन मूल्यांकन भी प्रारंभ किया गया है।

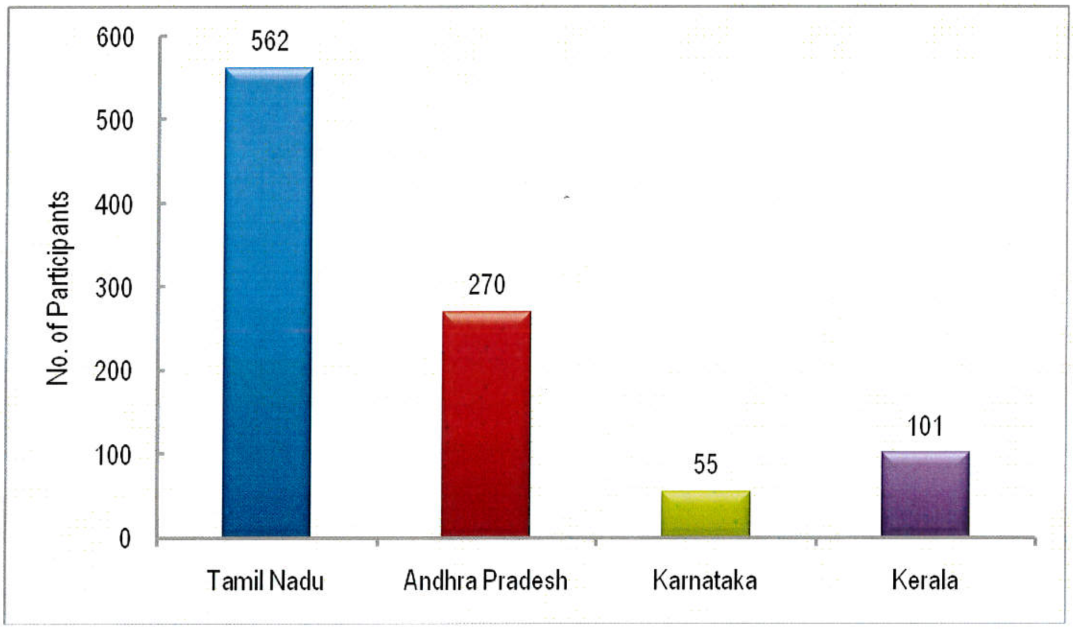

इस प्रकार आज की तारीख तक पिछले बारह वर्षों जे दौरा-न **५५३** पाठ्यक्रमों के माध्यम से **२१,७९२** शिक्षक प्रशिक्षित हुए।

शिजज कौशल बढ़ाना - समूह चर्चा

ऑन लाइन परीक्षा

सारणी ४: इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में नामांकन: २०१२-१३

क्र.सं.	स्था-ा	प्रतिभागियों की संज्या
अनुदेशात्मक अभिकल्प और सुपुर्दगी प्रणाली (आई डी डी एस)		
१	कर्पकम कालेज ऑफ इंजीनियरिंग, कोयंबत्तूर	२६
२	सेल्वम कॉलेज ऑफ टेकनोलोजी	५८
३	सी.के. कालेज आफ इंजीनयरिंग एवं टेक. कडलूर	४७
४	के.एल. यूनिवर्सिटी, गुंटूर	५०
५	पी.एस.आर. रंगसामी महिला इंजी. कालेज, श्विकासी	५०
६	जानसन्स प्रोद्योगिकी संस्थान, कोयंबत्तूर	४६
७	श्री शास्ता इंजी. और टेक संस्थान, चेन्नई	५०
८	राजीव गाँधी प्रोद्योगिकी संस्थान, कोट्टयम	१६
९	कोंगु इंजी. कालेज	४९
१०	कोंगु इंजी. कालेज	५२
११	मोहम्मद सतक ए.जी. कालेज ऑफ इंजी. चेन्नई	२८
१२	जी एम आर प्रोद्योगिकी संस्थान, राजम, आ.प्र.	५०
१३	धनेकुल इन्स्टि. आफ इंजी. एवं टेक. विजयवाडा, आ.प्र.	४७
१४	एन आई टी टी ई मीनाक्षी प्रोद्योज्जिी संस्था-ा, बंज्लूरु	५५
१५	श्री चित्रा तिरुनाल इंजीनियरिंग कालेज, तिरुवनंतपुरम	३२
१६	जयलक्ष्मी प्रोद्योगिकी संस्थान, तोप्पूर	५२
१७	श्री वेंकटेश पेरुमाल कालेज आफ इंजी. व टेक. पुत्तूर	५५
१८	श्री ज ष्ज प्रोद्योगिकी कालेज, कोयंबत्तूर	५३
१९	स्फूर्ति इंजी. कालेज, हैदराबाद	५०
२०	आई ई एस कालेज आफ इंजी., त्रिशूर	५३
२१	पी एस एन ए कालेज आफ इंजी. और टेक. दिंडिकल	५१
२२	नैशंल इंस्टि. आफ फार्मासूटिकल एज्युकेशन व रिसर्च, हैदराबाद	१८
	जुल	९८८

4.3 उद्योगों और अन्य संगठनों के लिए पाठ्यक्रम

संस्थान ने सरकारी संगठनों और उद्योगों से अच्छा सहयोग कायम रखा है। दोनों संगठन यथा लोक निर्माज विभाज, तमिलनाडु राजमार्ग विभाग, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और उद्योग अपने इंजीनियरों और कर्मचारियों को प्रशिक्षित कराने के लिए संस्थाओं के अनुभव, सुविज्ञता और संसाधनों का लाभ उठा

टी एन आर एस पी - प्रवेश प्रशिजज ज र्यज्र म

रहे है। वर्ष २०१२-१३ के दौरान इस संस्था-न के पर्यावरण प्रबंधन केंद्र ने (सी ई एम) लोज निर्माज विभाग, तमिलनाडु राजमार्ग विभाग, तमिलनाडु सड़क क्षेत्र परियोजना, तमिलनाडु सरकार के लिए विशिष्ट पाठ्यक्रम चलाए और १०० नए भर्ती सहायक इंजीनियरों जो प्रशिक्षित किया। यह अद्वितीय प्रशिक्षण कार्यक्रम नए भर्ती इंजीनियरों को विषय वस्तु और प्रशासन दोनों क्षेत्रों में प्रशिक्षण देता है। इस वर्ष में निम्न क्षेत्रों में पाठ्यक्रम चलाए गए:

१. पर्यावरज प्रभाव मूल्यांज-न
२. सिंचाई संरचनाओं का अभिकल्प
३. सिंचाई जल प्रबंधन में कम्प्यूटर का प्रभाव
४. नए भर्ती राजमार्ग विभाग के इंजीनियरों के लिए प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम

आज की तिथि तक पिछले बारह वर्षों में **११४** पाठ्यक्रमों के जरिए **२४६७** व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया गया।

"वेब आधारित शिक्षण और अध्ययन प्रणाली" पर सी पी एस सी अंतर्देशीय कार्यक्रम

संस्थान ने अपने परिसर में तकनीशियन शिजा-मनीला फिलिपाइन्स के लिए कोलम्बो प्लान स्टाफ कालेज (सी पी एस सी) के सहयोग से दि.१७ से २२ दिसंबर २०१२ तक भारत में "वेब आधारित शिक्षण और अध्ययन" पर अंतर्देशीय कार्यक्रम चलाया।

ज़ुल २८ प्रतिभागियों ने जिनमें अकदमीशियन तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टी वी ई टी) संस्थाओं के प्रबंधक, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों के प्रतिनिधि थे, कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम में प्रतिभागी विभिन्न अभिनव वेब समर्थित आई सी टी प्रणालियों, ई-लर्निंग आथरिंज औजारों, साफ्टेवर और प्रोद्योगिकियों और ई-टीचिंग और लर्निंग प्रणालियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सके। उसका उद्देश्य प्रशिक्षण और विज़ास में लजे लोगों को टी वी ई टी प्रणाली में शिक्षण और

प्रशिक्षण तकनीकों, सुविधाओं और विकास कार्यकलापों का उपयोग करते हुए अध्ययन आवश्यकतों को पूरा करने के लिए संसाधन, विचार और रजनीति प्रदान करना था।

डॉ. अनिल कुमार, नास्सा, उप शिक्षा सलाहकार, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने अंतर्देशीय कार्यक्रम का उद्घाटन किया और उद्घाटन भाषण दिया। प्रो. डॉ. एस. मोहन, निदेशक, एन आई टी टी आर, चेन्नई ने अध्यक्षासन ग्रहण किया। इंजि. मो. जहाँगीर आलम, श्री फैलिक्स सिबल, डॉ. जी. कुलन्दैवेल और डॉ. जी. जनार्दनन ने कार्यक्रम के संसाधक के रुप में काम किया।

मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम "क्यूएमएस/क्यूटी मॉडल"

संस्थान ने अंतर-एनआईटीटीटीआर मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम पॉलिटेकनीक शिक्षकों के लिए "क्यूएमएस/क्यूटी मॉडल" भारतीय गुणवत्ता परिषद के जरिए चलाया। एन आई टी टी टी आर, चेन्नई के संकाय सदस्य दो बैचों में पालिटेकनीक शिक्षकों के लिए "क्यूएमएस/क्यूटी औजार" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित रहे। चार संकाय सदस्यों ने एन आई टी टी टी आर, चेड़ीगढ़ में दस प्रतिभागियों ने एन आई टी टी टी आर, चेन्नई में प्रशिक्षण कार्यक्रम १८ से २२ मार्च २०१२ तक चलाया गया और भारतीय गुणवत्ता परिषद की तरफ से डॉ. जी. जनार्दनन, डॉ. एस. एन. नंदी, प्रबंध परामर्शदाता, नई दिल्ली की श्री एस.के. वर्मा, सलाहकार, गुणवत्ता और उत्पादकता प्रभाग,

इंजीनियरिंग कालेज आफ इंडिया, हैदराबाद ने स्रोतकार के रूप में काम किया। कार्यक्रम की विषय वस्तु थी - गुणवत्ता की सामान्य संकल्पना समस्या का समाधान, आधार भूत ७ क्यू सी औजार ५ एस का परिचय, प्रबंधन प्रणाली मानक का परिचय, गुणवत्त प्रबंधन प्रणाली, पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली मानक, सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली मानक और पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली।

4.4 समझौता ज्ञापन

२०१२-१३ के दौरान संस्थान ने (एन आई टी टी टी आर) कुछ संस्थानों से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जिनकी सूची निम्न प्रक्रार है।

अ) आटोडेस्क, आई एन सी, बंगलूरु

आ) मुत्तयामाल इंजीनियरिंग कालेज, राशिपुरम, तमिलनाडु

4.5 अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ / सम्मेलन / संचालित कार्यशालाएँ

इस वर्ष के दौरान कुल नौ संगोष्ठियाँ/सम्मेलन/कार्यशालाएँ चलाई गई। इंजीनियरिंग कालेजों, पॉलिटेकनिक कालेजों उद्योगों सरकारी विभागों और पेशेवरों में से ८३७ व्यक्तियों ने इनमें भाग लिया। प्रत्येक कार्यक्रम का विवरण नीचे दिया गया है:

अ) "नेट युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए इंजीनियरिंग कार्यक्रमों का अकादमीय प्रबंधन" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

नेट युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए इंजीनियरिंग कार्यक्रमों आकदमीय प्रबंधन पर एन आई टी टी टी आर, चेन्नई और के.एल.एन कालेज आफ इनफर्मेशन प्रोद्योगिकी मदुरै ने संयुक्त रूप से के.एल.एन कालेज आफ सूचना प्रोद्योगिकी, मदुरै में दि.१२ दिसंबर २०१२ को अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी के लक्ष्य थे (i) तकनीकी शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीय अकादमीय प्रबंधन प्रणालियों के बारे में जानकारी प्राप्त करना

(ii) तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा में कार्यक्रमों की गुणवत्ता को सबल बनाने के लिए रणनीति का विकास करना (iii) तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्रों में शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए कार्यक्रम अभिकल्पना हेतु रणनीति विकसित करना।

विभिन्न देशों यथा बांग्लादेश, बोत्स्वाना, कम्बोडिया, ईथोपिया, घाना, इंडोनेशिया, ईराक, मालावी, म्यांमार, नेपाल, सेशीलस, तंजानिया, युगांडा, उज्बेकिस्तान, वियतनाम, जाम्बिया और जिम्बाब्वे से ६७ प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें भारतीय प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

आ) "संघारणीय विकास के लिए प्रोद्योगिकी : स्वास्थ्य और पर्यावरण पर फोकस" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एन आई टी टी टी आर) चेन्नई ने एस सी ए डी कालेज ऑफ इंजीनियरिंग, तिरुनेलवेली के सहयोग से दि.१७ नवंबर २०१२ को "संघारणीय विकास के लिए प्रोद्योगिकी : स्वास्थ्य और पर्यावरण पर फोकस" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी के लक्ष्य थे (i) विकासशील देशों में यथा एशिय, अफ्रीका, मध्य पूर्व और

दक्षिण अमेरिका में संघारणीय विकास के प्रोत्साहन के लिए हुए प्रोद्योगिकी विकास की समीक्षा कर-ना (ii) उन तकनीकी कार्यक्रमों के क्षेत्रों को पहचानना जिनमें संपूर्ण विकास के लिए आशोधन, सुधार और उनचस्तरीकरण की आवश्यकता है, (iii) विकासशील देशों में तकनीकी शिक्षा में संघारणीय विकास के लिए प्रोद्योगिकी में समुचित अतिरिक्त पाठ्यक्रमों के सृजन के उपाय सुझाना और पर्यावरणीय संरक्षण और स्थायी विकास में अभिनव प्रोद्योगिकी ज्ञा-न जे आदान प्रदान के लिए विकासशील देशों के बीच स्थायी संयोजन का सृजन कुल ८५ प्रतिभागियों ने जिनमे विभिन्न देशों से यथा कम्बोडिया, कैमरूप, कंगो, प्रजातांत्रिक गणराज्य, लेसोथो, नाम्बिया,नेपाल, नाईजीरिया, पोलंड, सूडान, उज्बेकिस्तान, वियतनाम और जिम्बाब्वे २० प्रतिभागी शामिल है इस संगोष्ठी में भाग लिया। प्रो. डॉ. एस. मोहन, निदेशक, एन आई टी टी आर ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया और उद्घाटन भाषण दिया। प्रो. डॉ. एन. मो. शरीफ ने अध्यक्षासन ग्रहण किया। समन्वयक डॉ. जी. जनार्दनन धन्यवाद समर्पण किया और गाँव गमन और क्रियाकलापों की रिपोर्ट पेश की।

इ) "सहसाब्द विकास लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए संघारणीय विकास" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एन आई टी टी आर) चेन्नई ने त्यागराजर कालेज आफ इंजीनियरिंग, मदुरै-६२५१०५ जे सहयोज से सहसाब्द विकास लक्ष्य को प्राप्त कर-ने जे लिए दि.२० नवंबर २०१२ को अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

जुल १४५ प्रतिभागियों ने जिनमें २० देशो से (बेलारस, कैमरुन, कम्बोडिया, कांगो प्रजातात्रिक गणराज्य, फिजी, गिनी, बिसाऊ, जे-या, लाओस, लेसोथो, म्यांमार, नमीबिया, नेपाल, नाइजीरिया, पोलंड, सूडान, सिरिया, उज्बेकिस्तान, वियतनाम, जाम्बिया, जिम्बाब्वे) ३२ प्रतिभागी शामिल है। अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया। प्रो.डॉ. एस. मोह-न, -निदेशज,

एन आई टी टी टी आर, चेन्नई ने संधारणीयता की ओर हरित इंजीनियरिंग पर नीति सूचक भाषण दिया। विभिन्न शैक्षिक संस्थाओं/संगठनों से प्रतिष्ठित व्यक्तियों और समुद्रपार प्रतिनिधियों ने विशेष आमंत्रित भाषण दिए।

ई) "भारत में शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए आई सी टी" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

संस्थान ने "भारत में शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए आई सी टी" पर कोलम्बो प्लान स्टाफ कालेज फॉर तकनीशियन, एज्युकेशन, मनीला, फिलिपाइन्स (सी पी एस सी) के सहयोग से दि.२१ दिसंबर २०१२ को एन आई टी टी टी आर में एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

संगोष्ठी के लक्ष्य ये नीति निर्माताओं, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टी वी ई टी) प्रदाताओं, को अभिनव शिक्षण और अधिगम प्रणालियों के प्रति अंतर्दृष्टि को अद्यतन करना ताकि छात्र निकास में बढावा हो सके, आई सी टी शिक्षा शास्त्र एकीकरण पर विचारों और अनुभवों के आदान प्रदान के लिए मंच प्रदान करना और शिक्षा में आई सी टी के अभिनव एवं प्रभावी उपयोग की दिशा में मुख्य कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा की सुविधा प्रदान करना।

कुल १०२ प्रतिभागियों ने जिनमें इंजीनियरिंग और पॉलिटेकनीक कालेजों के शिक्षक, अकादमीशियन, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टी वी ई टी) के प्रबंधक और सरकारी और निजी क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल थे संगोष्ठी में भाग लिया।

प्रो. डॉ. ए. कलानिधि, उपाध्यक्ष, राष्ट्र मंडल विज्ञान और प्रोद्योगिकी और भूतपूर्व उपकुलपति, अण्णा युनिवर्सिटी, चेन्नई ने संगोष्ठी का उद्‌घाटन किया। प्रो.डॉ. एस. मोहन, निदेशक, एन आई टी टी टी आर, चेन्नई और डॉ. नाइम याकूब, महा निदेशक, सी पी एस सी, इंजी. मो. जहाँगीर आलम, आई सी टी अधिकारी, सी पी एस सी, श्री फेलिक्स सिबल, आई सी टी अधिकारी, सी पी एस सी, श्री ई. इनिय नेहरू, वरि. तकनीकी निदेशक, राष्ट्रीय इन्फार्मेटिक केंद्र, एम सी आई टी, डॉ. एस. श्रीनिवासन, प्रतिष्ठित आचार्य, आई आई टी मद्रास, चेन्नई, डॉ. जी. कुलन्दैवेल, एन आई टी टी टी आर, चेन्नई, डॉ. जी. जनार्दनन, एन आई टी टी टी आर, चेन्नई, श्री शिवकुमार एस., प्रबंध निदेशक, एक्सिस-वी क्रिएटिव्स, प्राइ.लि. और डॉ. एम.एस. मोहम्मद सादिक, वरि. उपाध्यक्ष, एईएल डेटा सर्विसस, एल एल पी, चेन्नई संगोष्ठ स्रोतदाता थे।

डॉ. अजीत -ुमार जोलर, अध्यक्ष, सतत शिक्षा केंद्र, आई आई आई टी मद्रास, चेन्नई ने समापन भाषण दिया।

उ) तकनीकी शिक्षा के लिए ज्ञान प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एन आई टी टी टी आर) चेन्नई ने वेलामाल कालेज ऑफ इंजीनियरिंग और प्रोद्योगिकी मदुरै के सहयोग से तकनीकी शिक्षा के लिए ज्ञान प्रबंधन पर दि.१९ जनवरी २०१३ को अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी के लक्ष्य थे (अ) ज्ञा-ा प्रबंधन की आधार भूत संकल्पना और सिद्धांत को समझना (आ) तकनीकी शिक्षा पद्धति में ज्ञा-ा प्रबंध-ा प्रजाली जो लागू ज र-ाा ज्ञा-ा प्रबंध-ा के लिए शिक्षण और अधिगम प्रणाली की अभिकल्पना करना और ज्ञानाधारित शिक्षण एवं अधिगम का विकास करना लगभग १०३ प्रतिभागियों ने भाज लिया जिनमें विभिन्न देशों के यथा नाइजीरिया, जिंबाब्वे, फिजी द्वीप, ईथोपिया आदि २६ प्रतिभागी शामिल है।

ऊ) "प्राक्रतिक संसाधन प्रबंधन के लिए स्थानिक सूचना प्रोद्योगिकी" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एन आई टी टी टी आर) चेन्नई ने मुत्तयम्माल इंजीनियरिंग कालेज, राशिपुरम, नामक्कल जिला के सहयोग से प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के लिए स्थानिक सूचना प्रोद्योगिकी पर दि.५ मार्च २०१३ जो अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी चलाई। इस संगोष्ठी के लक्ष्य थे (अ) एस.आई.टी. के महत्व को समझ-ाा (आ) एस आई टी के उपकरणों को स्पष्ट करना (इ) संपूर्ण केंद्र और जी पी एस उपकरणों का प्रदर्शन करना (ई) जी आई एस प्रक्रिया सामग्री में स्थानिज आंकडों को संयोजित करना (उ) प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में एस आई टी को लागू करना।

इंजीनियरिंग कालेजों के ३५ प्रतिभागियों और १५ अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों ने संगोष्ठी में भाग लिया।

ऋ) "विज्ञा-I प्रोद्योगिकी में महिलाओं की भूमिका" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

विज्ञान प्रोद्योगिकी में महिलाओं की भूमिका पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एन आई टी टी आर, चेन्नई और श्री कृष्ण कालेज आफ टेकनोलोजी, कोयंबत्तूर में ६ मार्च २०१३ को चलाया। संगोष्ठी के लक्ष्य थे (i) अंतर्राष्ट्रीय महिला सश्क्तीकरण प्रणालियों को जानना, (ii) विज्ञान और प्रोद्योगिकी में महिला प्रतिभाग को समर्थ बनाने के लिए रणनीति विकसित करना और (iii) तकनीकी शिक्षा द्वारा महिला सशक्तीकरण के लिए रणनीति विकसित करना। भारतीय प्रतिनिधियों सहित विभिन्न देशों से यथा बांग्लादेश, ईथोपिया, घाना, इंडोनेशिया, ईराक, लाओस, मंजोलिया, म्यांमार, सियारा, लियोन, तंजानिया, टोबागो, त्रिनिदाद, वियतनाम, जाम्बिया और जिम्बाब्वे १७५ प्रतिभागी संगोष्ठी में उपस्थित रहे। विज्ञान और प्रोद्योगिकी के विकास में महिलाओं की भूमिका पर विचारों के आदान प्रदान के लिए सम्मेलन एक अच्छा मंच बना।

ए) "प्रोद्योगिकी और विकास : जल पर तत्काल प्रभाव" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एन आई टी टी आर) चेन्नई ने श्री अरविंदर इंजीनियरिंग कालेज, सेतारपेट, विल्लुपुरम जिला के सहयोग से "प्रोद्योगिकी और विकास : जल पर तत्काल प्रभाव" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी के लज्य थे - (अ) एशिया, आफ्रिका, मध्यपूर्व यूरोप और दक्षिण अमेरिका में विकासशील देशों में आधुनिक जल गुणवत्ता परीक्षण विधि के महत्व को बताना (आ) जल गुणवत्ता से संबंधित जल गुण वत्ता में निहित नीतियों और योजना व्यूह का महत्व समझना (इ) पर्यावरणीय संरक्षा संसाधन के स्थायी विकास में अभिनव जल गुणवत्ता परीक्षण प्रणाली के आदान प्रदान के लिए विकासशील देशों के बीच स्थायी संबंध उत्पन्न करना (ई) सूचना की उपलब्धता और संचार प्रोद्योगिकी की वृद्धि द्वारा व्यक्तियों, एनजीओ, सरकारी और

कार्पोरेट क्षेत्र से पर्यावरणीय कार्रवाई करवाना। ईराक, वियतनाम, मंगोलिया, ईथोपिया, इंडोनेशिया, लाओस, उज्बेकिस्तान, मंगोलिया, श्रीलंका, तंजानिया, सियारा, लिथोन, यूगांडा आदि देशों के कुल ८५ अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों ने चर्चा में भाग लिया। प्रो. डॉ. एस. मोहन, निदेशक, एन आई टी टी टी आर, चेन्नई ने संगोष्ठी उद्घाटन करके भाषण दिया।

ऐ) "स्थायी जैव विविधता के पुनः स्थापन के लिए खोदे गए क्षेत्रों का भूमि उद्धार" पर राष्ट्रीय कार्यशाला

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एन आई टी टी टी आर) चेन्नई ने "स्थायी जैव विविधता के पुनः स्थापन के लिए खोदे गए क्षेत्रों का भूमि उद्धार" पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का लक्ष्य था: (अ) भूमि उद्धार संकल्पना और भूमि के वैकल्पिक उपयोगों पर चर्चा करना; (आ) भूमि उद्धार से संबंधित चुनौतियों को पहचानना; (इ) भूमि उद्धार की चुनौतियों का सामना करने के लिए संयोजित उपाय करना; (ई) उद्धार की गई भूमि के आर्थिक व्यवहार्य उपयोगों का पता लगाने के लिए समुदायों के बीच समुचित संबंध उत्पन्न करने हेतु उपाय सुझाना; (उ) संसाधनों और सेवाओं की पर्यावरणीय संरक्षा तथा स्थायी विकास में अभिनव पाठ्य चर्चा और अनुदेशात्मक पैकेज के आदान प्रदान के लिए विकासशील देशां के बीच स्थायी संबंद्ध पैदा करना। नेइवेली लिग्नाइट कार्पोरेशन, तमिलनाडु प्रदूषज नियंत्रण बोर्ड आदि उद्योगों से शैक्षिक संस्थाओं से संकाय सदस्य सहित २५ प्रतिभागियों ने भाग लिया।

5.0 पाठ्यचर्या विकास

संस्थान का पाठ्यचर्या विकास केंद्र विस्तार शील भारतीय अर्थ व्यवस्था की सतत परिवर्तनशील तकनीकी मानव संसाधनों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पालिटेकनीकों के नए कार्यक्रमों के लिए वर्तमान कार्यक्रमों कर पुनरीक्षण और नए कार्यक्रमों के विकास के लिए सन १९७० में स्थापित हुआ। इस उद्देश्य के साथ-साथ संस्थान ने पाठ्यचर्या विकास प्रतिरुप तैयार किया है जिसमें तकनीशियन दक्षता का ध्यान में रखते हुए तकनीशियन प्रोफाइल को विकसित करने के लिए पाठ्यचर्या विकसित करना जिसमें कार्य विश्लेषण शामिल है। उसका लक्ष्य अधिगम परिणाम को सूत्रबद्ध करना है जो ज्ञान, कौशल और अभिवृत्ति को प्रतिबिंबित करे। विषय वसतु को एकत्रित और अनुक्रमित करे औश्र समुचित मूल्यांकन योजना की अभिकल्पना करे। पाठ्यचर्या की प्राभुगिकता और समुचिग्ता पाठ्यचर्या विकास की प्रत्येक अवस्था में पालिटेकनीक के शिक्षकों, औद्योगिक प्रतिनिधियों और उच्च शिक्षा संस्थानों के संकायों को म-गेयोज से सुनिश्चित हो जाती है। वर्ष २०१२-१३ के दौरान आठ समुद्रपार प्रशिजज कार्यक्रमों की पाठ्यचर्या पुनरीक्षित की गई।

6.0 अनुदेशात्मक सामग्री विकास

वर्ष २०१२-१३, में विभिन्न इंजिनीयरिंग विषयों, शिक्षा शास्त्र तथा प्रबंधन से पाठ्यक्रम सामग्रियों को तकनीकी संस्था-ा जे शिजजों के उपयोग के लिए संस्थान ने अद्यतन बनाया।

7.0 अनुदेशात्मक मीडिया विकास

वीडियो कार्यक्रम:

इस संस्था-ा ने इन वर्षों में तकनीकी शिक्षा तथा प्रशिक्षण के क्षेत्र में शैक्षिक वीडियो कार्यक्रम उत्पन्न जरने जे लिए बढ़िया सुविधाएँ विकसित की हैं। रिपोर्टाधीन वर्ष के इस कार्यक्रम के दौरान कुल ४१ वीडियो कार्यक्रमों का उत्पादन तकनीकी शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों और छात्रों के लिए किया गया।

8.0 अनुसंधान तथा विकास और विस्तार एवं परामर्श सेवाओं से संबंधित परियोजनाएँ:

वर्ष २०१२-१३ के दौरान विविध एजेन्सियों से प्रवर्तित ७ परियोजना कार्यक्रमों को संस्था के संकाय ने पूर्ण किया जो निम्न प्रकार है:

सारजी ७: चालू अनुसंधान और विकास परियोजनाओं का विवरण

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	प्रवर्तक अभिकरण	सम-वयज / सदस्य	आबंटित निधि
१.	शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों का एकीकरण करके तकनीकी एवं व्यावसायिज शिजा जे मुज्य जेत्र में ला-ा	मा सं वि मं	डॉ. एस. मोहन डॉ. एस. रेणुका देवी	२७,००,०००
२.	प्रोद्योगिकी के औद्योगिक रूप संगत राष्ट्रीय संकाय विकास जेंद्र	एआईसीटीई	डॉ. एस. मोहन डॉ. एस. धनपाल	२०,००,०००
३.	जल भूवैज्ञानिक द्रोणी में बहुस्तरीय तटीय जलवाही, प्रणाली के लिए भू जल प्रतिरुपण अध्ययन	एन एल सी लि., नेईवेली	डॉ. एस. मोहन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार	२५,००,०००
४.	सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण की तैयारी, स्लम एम आई एस को पहचानना, अभिग्रहण, स्थलाकृति वैज्ञानिक सर्वेक्षण, जी आई एस आधारित स्लम मानचित्रण आर ए वाई के तहत तिरुनेलवेली क्षेत्र में	टी एन एस सी बी, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार	२५,००,०००
५.	सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण की तैयारी, स्लम एम आई एस को पहचानना, अभिग्रहण, स्थलाकृति वैज्ञानिक सर्वेक्षण, जी आई एस आधारित स्लम मानचित्रण आर ए वाई के तहत तिरुच्ची क्षेत्र में	टी एन एस सी बी, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. ई.एस.एम. सुरेश इं. वी. षण्मुगनीति	३०,००,०००
६.	सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण की तैयारी, स्लम एम आई एस को पहचानना, अभिग्रहण, स्थलाकृति वैज्ञानिक सर्वेक्षण, जी आई एस आधारित स्लम मानचित्रण आर ए वाई के तहत कोयम्बत्तूर क्षेत्र में	टी एन एस सी बी, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार डॉ. आर. रविचंद्रन	८०,००,०००
७.	गुम्मिडिपूंडि में सेल II फेस II भूभरण का डिजाइन, जाँच, निजरा-नी	टी एन डब्ल्यू एम एल चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन	४,००,०००
			जुल	२,११,००,०००

सारणी ८: समाप्त की गई अनुसंधान और विकास परियोजनाओं का विवरज

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	प्रवर्तक अभिकरण	सम-वयज / सदस्य	आबंटित निधि
१.	संस्थान के परिसर में वर्षा जल संचयन एकक की स्थापना	सीजी-डबल्यूबी	सिविल विभाज	४०,००,०००
२.	तकनीकी शिक्षकों और छात्रों के प्रशिक्षण के लिए ई-प्रशिक्षण पर्यावरण स्थापित करना	एन एम ई-आईसीटी-आईसीटी मा सं वि मं, भा स	डॉ. एस. मोहन डॉ. वी.पी. शिवकुमार डॉ. जी. कुलन्दैवेल	२८,००,०००
३.	"दक्षिण भारतीय जाद्य" पर वीडियो फिल्म रचना	रा अ मी सं, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. ई.एस.एम. सुरेश	१,००,०००
४.	डिजिटाइज्ड पुराने तमिल हस्तलेखों की डीवीडी तैयारी	सीआईसीटी, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. वी.पी. शिवकुमार	१२,००,०००
५.	"सी आई सी टी की वेब डेलिवरी हेतु मल्टीमीडिया सहित विषय वस्तु को पुष्ट करना"	सीआईसीटी, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. वी.पी. शिवकुमार डॉ. जी. जर्नादनन	११,००,०००
६.	"सी आई सी टी के लिए वेब पोर्टल का विकास"	सीआईसीटी, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. कुलन्दैवेल	१२,००,०००
७.	एन एल सी खान क्षेत्र और उसके विस्तार की स्थूल स्तर का भू जल प्रवाह प्रतिरुपण	आर डब्ल्यू ई, जर्मनी	डॉ. एस. मोहन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार	९,००,०००
८.	प्रशिक्षण आवश्यकता विश्लेषण - राजपथ विभाग, तमिलनाडु सरकार में पद पर नए भर्ती राजपथ इंजीनियरों के लिए प्रवेश प्रशिजज जार्यज्रम	टी एन आर एस पी चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार	२३,७२,०००
९.	टी एन एस सी बी - पिल्लैयार पट्टी - फेस II - भूभ्रण आयतन जा कम्प्यूटेशन	टी एन एस सी बी, तिरुच्ची	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन इं. के.एस.ए. दिनेश जुमार	१,००,०००
१०.	टीएनआरएसपी परियोजनाओं के अधीन मी पत्थर सं. I, II, III, IV और चालू सड़क पुनः स्थापन कार्य के लिए पुनर्वास और पुनर्वास कार्यान्वयन का अंत्यावद्धि प्रभाव का मूल्यांकन	टी एन आर एस पी चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. वी.के. नटराजन	१६,५४,५००
११.	सड़क प्रयोक्ता संतृप्ति सर्वेजज - III	टी एन आर एस पी चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार	३३,१०,०००
			जुल	१,८७,३६,५००

9.0 अनुदेशात्मक मीडिया विकास

मूलाधार

भारत की अर्थ व्यवस्था के अखंड विकास के लिए अर्थ व्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी संख्या में जुशल श्रमिक बल की आवश्यकता है। जिसमें विनिर्माण, निर्माज और सेवा सम्मिलित है। अर्थ व्यवस्था के प्रत्येक क्षेत्र में कौशल की कमी स्पष्ट है। राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन का लक्ष्य प्रशिक्षित और कुशल श्रमिकबल का सृजन करना है जो अन्य क्षीयमाण अर्थ व्यवस्था में कौशल जी कमी की पूर्ति के लिए अधिक व्यवस्था के साथ तेज विकसित अर्थ व्यवस्था की घरेलू आवश्यकता की पूर्ति के लिए पर्याप्त हो ताकि भारत अपने प्रतियोगी लाभ का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सके और जन संख्यीय वृद्धि को काम में ला सके।

भारत सरकार के पास प्रति वर्ष सौ लाख युवकों को कौशल प्रशिक्षण देने की महत्वाकांक्षी योजनाएँ है और विस्तृत सर्वेक्षण और प्राथमिकताकरण प्रक्रिया के जरिए २१ प्राथमिकता के क्षेत्र का चयन किया है। मानव संसाधन विकास मंत्रलाय ने विभिन्न स्तरों पर औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थाओं को समाविष्ट करते हुए कौशल विकास प्रदान करे की प्रमुख भूमिजा -िभा-े जा भार उठाया है।

भारत में १५ और ३५ वर्ष की आयु के बीच ३५०० लाखों से अधिक युवक हैं। वर्तमान में भारत जे पास केवल लगभग २% युवकों को औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण और ८% को अनौपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण देने की क्षमता है।

एआईसीटीई ने राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा योग्यता ढाँचा (एन वी ई क्यू एफ) विकसित यिा है। इस ढाँचे के तहत निम्न लिखित पहलुओं पर विचार किया गया है।

- विभिन्न संघटक स्तरों पर योग्यता की परिभाषा
- स्कूल प्रणाली में व्यावसायिक शिक्षा को सशक्त करना
- व्यावसायिक स्कूल में सफल छात्रों के लिए ऊर्ध्वाधर प्रगति व्रदान करना
- जॉब और पढ़ाई के बीच संचलन के लिए बहुबिंदु प्रवेश और निकास

मानव संसासधन विकास मंत्रालय के पहल के रुप में संस्थान ने राष्ट्रीय कौशल विकास कार्यक्रम के रुप में निम्नलिखित कार्यकलाप हाथ में लिए हैं।

- उद्योग और प्रशिक्षण संस्था-ो जे विशेषज्ञों की राय लेते हुए पाठ्यर्या और प्रशिक्षण माड्यूल का विकास करना।
- अभिज्ञात मास्टर ट्रेनरों के लिए प्रशिक्षक का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।
- प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का अत्याधुनिक उपकरणों सहित का प्रयास करना।
- एन वी ई क्यू एफ अनुपालन प्रशिक्षण कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए पाठ्यचर्या और अनुदेशात्मक सामग्री प्रदान करना।
- डिप्लोमा या प्रमाण पत्र प्रदान करनेवाले प्रशिक्षण मॉड्यूलों के लिए श्रेय संचयन योजना हेतु व्यूह तैयार करना।

प्रथम चरण के रूप में प्रशिक्षण आवश्यकताओं के अभिज्ञान और प्राथमिकताकरण का ट्रेड जिनके लिए पाठ्यचर्या तैयार जर-े जा प्रज्म पूरा जर लिया गया है।

निम्नलिखित पाँच क्षेत्रों में कुल ७६ ट्रेडों के लिए पाठ्यचर्या तैयार कर ली गई है:

जेत्र जा -ाम

i) वस्त्र और पहनावा
ii) स्वास्थ्य रजज सेवा जेत्र
iii) इलेक्ट्रानिक्स और सू.प्रो. हार्डवेर

iv) चर्म और चर्म के माल
v) आटो / आटो ऐन्सिलरी क्षेत्र

उद्योग और उच्चतर अकादमी संस्थाओं के विशेषज्ञों के पुनरीक्षण के बाद विकसित पाठ्यचार्य का प्रमाणीकरण फितहाल किया जा रहा है। कुछ अभिज्ञात ट्रेडों के लिए प्रशिक्षक मेनुअल और शिक्षार्थी मैनुअल की तैयारी की जा रही है।

10.0 पालिटेकनिक के जरिए समुदाय विकास योजना:

प्रत्यक्ष केंद्रीय सहायता योजना के रूप में मा.सं.वि.मं. भारत सरकार द्वारा प्रवर्तित सी डी टी पी योजना फरवरी २००९ से दक्षिण क्षेत्र में २०५* पालिटेकनिकों में कार्यान्वित की जा रही है।

सी डी टी पी योजना का प्रत्येक राज्य में कार्यान्वयन करनेवाले पालिटेकनिकों की संख्या निम्नलिखित सारणी में दी गई है:

आँध्रप्रदेश	कर्नाटक	केरल	तमिलनाडु	पुदुच्चेरी	योग
५३	६०	३१	५६	९	१९०**

[* २०५ को प्रशासनिक स्वीकृति दी गई; **केवल १९० पॉलिटेकनीकों को वित्तीय स्वीकृति दी गई।]

योजना का उद्देश्य ग्रामीण युवकों स्कूल छोड़े छात्रों, गरीबों और दलितों का उत्थान करना था।

कार्यकलाप:

योजनाधीन कार्यकलापों के प्रमुख क्षेत्र है:

- सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण
- कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम
- समुचित तकनीकों का प्रसार और प्रयोग
- तकनीकी और सहायक सेवाएँ
- अभिज्ञा कार्यक्रम

रा त शि प्र अ सं की भूमिका:

अपने अपने क्षेत्रों में योजना के कार्यान्वयन से संबंधित परियोजना कार्मिकों को सक्षम बनाने के लिए संस्थान का धारणीय विकास केंद्र (सी एस डी) संसाधन केंद्र के रुप में सेवा करता है। वह अभिवियास प्रशिक्षण कार्यक्रम, राज्यवार कार्यशालाएँ, योजना की वार्षिक संवीक्षए और विषय से संबंधित लघु पाठ्यक्रम नियमित रूप से चलाता है। इसके अलावा सीएसडी, विभिन्न प्रगति रिपोर्टो और व्यय से संबंधित मामलों की जाँच और तैयारी में मा.सं.वि.मं. की सहायता करता है। इसके अतिरिक्त वर्ष २०११-१२ के लिए क्षेत्र के प्रत्येक पालिटेकनीक की व्यय रिपोर्ट और वार्षिक रिपोर्ट तैयार की गई और मंत्रालय को प्रस्तुत ली गई।

२०१२-१३ के दौरान दक्षिण क्षेत्र के पालिटेकनीकों द्वारा प्रस्तुत सीडीटीपी के संक्रियात्मक योजना के प्रस्तावों की जाँच की गई और अनुमोदन किया गया। साथ ही वर्ष २०११-१२ के लिए पॉलिटेकनीकों द्वारा प्रस्तुत उपयोग प्रमाण पत्र (यू.सी) लेखा विवरण ४ एस ओ.ए और वास्तविक उपलब्धि रिपोर्ट (पी.ए.आर) की जाँच की गई और मंत्रालय को अग्रेषित की गई।

इसके अतिरिक्त वर्ष २०११-१२ के लिए क्षेत्र के प्रत्येक पालिटेकनीक की व्यय रिपोर्ट और वार्षिक रिपोर्ट तैयार की गई और मंत्रालय को प्रस्तुत की गई।

४ जनवरी २०१३ को राज्य सरकार के तकनीकी शिक्षा निदेशकों के साथ मा.सं.वि.मं. में सीडीटीपी के कार्यान्वयन के लिए नए पुस्ताकों के मूल्यांकन करने और संस्तुत करने हेतु बैठक में भाग लिया।

11.0 अपंग व्यक्तियों को तकनीकी और व्यावसायिक मुख्य धारा में एकीकृत करना

अशक्त व्यक्ति अधिनियम - १९९५ और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (१९८६) के अनुसार मानव संसाधन विकास मंत्रालय और भारत सरकार ने अशक्त व्यक्तियों को एकीकृत करके मुख्य धारा की तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा में लाने के निमित्त चयनित पॉलिटेकनीक के कोटि उन्नयनार्थ केंद्रित रूप से प्रवर्तित योजना को लागू किया है।

योजना के उद्देश्य:

- अशक्त व्यक्तियों को मुख्य तकनीकी, व्यवसायिक शिक्षा और कार्यकुशलता के विकास कार्यक्रम में लाने के लिए विभिन्न औपचारिक एवं अनौपचारिक शिक्षा एवं कार्यक्रमों का आयोजन।
- पॉलिटेकनीक के उपयुक्त भौगोलिक कैचमेन्ट में भी डब्ल्यूडी की पहचान करना।
- अशक्त अशिक्षित युवको के लिए अनौपचारिक कौशल विकास कार्यक्रमों पर विशेष बल देते हुए अशक्त व्यक्तियों के योग्य शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की पहचान करना ताकि उनको ज्यादा मजदूरी मिल सके अथवा यथासंभव अपने ही यहाँ या निवास स्थान पर स्वनियोजन का अवसर मिले।
- अशक्त व्यक्तियों की योग्यता के अनुरूप आवश्यकता और सक्षमता आधारित पाठ्यचर्या तैयार करना।
- कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए उचित संसाधनों की तैयारी करना/प्राप्त करना/विकसित करना जिसमें भौतिक, मानवीय और अनौपचारिक स्रोत शामिल है।
- आवश्यकतानुसार योजना के विभिन्न चरणों के लिए प्रतिमान और मानदंड का विकास करना।
- स्त्रोत संस्थानों और अन्य संगठनों से नेट वर्किंग व सहयोग प्राप्त करना और जन शक्ति प्रशिक्षण उचित मार्गदर्शन और प्रभावी कार्यान्वयन के लिए उनकी सहायता लेना।
- प्रशासकों, नियोजकों, संकाय के सदस्यों और छात्रों और व्यापक रुप से समुदाय को अशक्त व्यक्तियों की समस्याओं और क्षमताओं के प्रति संवेदनशील बनाना और पॉलिटेक्स में उचित वातावरण बनाना।

- नव प्रवर्तित शिक्षण तकनीक और दृष्टि कोण का विकास करना जिससे अशक्त युवाओं को उचित शिक्षा प्रशिक्षण और पुनर्वास मिले।
- मजदूरी और स्व नियोजन के अवसर के लिए अशक्त युवकों को मार्गदर्शन, परामर्श और नियोजन प्रदान करने में सहायता के लिए पॉलिटेकनीक के वर्तमान नियोजन कक्ष को सशक्त करना।
- योजना के परिवीक्षण के लिए उपर्युक्त विधियाँ और पद्धतियाँ बनाना।

योजना को कार्यान्वित करनेवाले दक्षिण क्षेत्र के पॉलिटेकनिक:

- ➢ डॉ. धर्माम्बल सरकारी महिला पॉलिटेकनीक कालेज, चेन्नई
- ➢ सरकारी महिला पॉलिटेकनीक कालेज, कोयम्बटूर
- ➢ अरसन गणेशन पॉलिटेकनीक कालेज, शिवकाशी
- ➢ महिला पॉलिटेकनीक लासपेट, पाण्डिचेरी
- ➢ सरकारी पॉलिटेकनीक, कोट्टयम
- ➢ श्री रामा सरकारी पॉलिटेकनीक, ट्रीप्रायार
- ➢ श्रीमती एल वी सरकारी पॉलिटेकनीक, हासन
- ➢ सरकारी महिला पॉलिटेकनीक, मंगलौर
- ➢ सरकारी पॉलिटेकनीक, बेलगाम

उपलब्धियाँ:

२०१२-१३ में प्रशिक्षण प्राप्त अशक्त छात्रो का विवरण निम्नवत् है:

प्रशिक्षित अशक्त छात्र	
औपचारिक डिप्लोमा कार्यक्रम (प्रविष्टी)	**अनौपचारिक पाठ्यक्रम (प्रशिक्षित)**
४०	२५३

निम्न क्षेत्रों में अनौपचारिक पाठ्यक्रम चलाए गए:

- डेटा एन्ट्री ऑपरटेर
- डेस्क टॉप पब्लिशिंग
- कार्यालय ऑटोमेशन
- सिलाई और ड्रेस मेकिंग
- कढ़ाई
- कुर्सी बुनाई
- नारियल जटा बुनाई
- बुनियादी कम्प्यूटर कौशल

रा त शि प्र अ सं, चेन्नई ने पालिटेकनिकों के कार्य योजना की तैयारी के लिए मद्‌द की। योजना के कार्यान्वयन की निंगरानी सतत परस्पर सहभागिता और सलाहकार समिति में प्रतिभाग द्वारा की गई।

12.0 आभासी रा त शि प्र अ सं:

आभासी विधा के जरिए शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाना संस्थान की प्राथमिकता का क्षेत्र है। संस्थान ने ई-लर्निंग का लाभ पहुचाने के लिए आईसीटी और कम्प्यूटर नेटवर्क की संगतता की समर्थता के समुपयोजन का काम जारी रखा। अधिक संख्या में तकनीकी शिक्षकों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए संस्थान आभासी रा त शि प्र अ सं की संकल्पना के आधार पर आन लाइन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है। संस्थान का शैक्षिक प्रोद्योगिकी और मल्टीमीडिया (ET&MM) विभाग ने स्वाध्याय पैकेज (SLPs), मल्टीमीडिया लर्निंग पैकेज (MMLPs) कंप्यूटर आधारित अनुशिक्षता के रूप में डिजिटल संसाधनों के विकास के लिए तरह तरह की पहल का मिशन मोड अपना लिया है।

लक्ष्य:

आभासी रा त शि प्र अ सं का लक्ष्य ऑन लाइन आभासी मोड के माध्यम से तकनीकी शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देना और बदले में प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा छात्रों को प्रभावी ढंग से सीखने देना है।
समर्थनकारी लक्ष्य है:

- ई-लर्निंग पर्यावरण विकसित करना जो तकनीकी शिक्षकों को ऑन लाइन लर्निंग प्रदान करने के लिए इंटरनेट और मल्टीमीडिया की क्षमताओं का समुपयोजन करता है।
- शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के अपने कार्य वातावरण में तकनीकी शिक्षकों को सतत अधिगम अवसर प्रदान करने के लिए केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थाओं से प्रशिक्षण का विस्तार करना।
- शिक्षा शास्त्र क्षमताओं, कक्षा प्रबंधन मार्गदर्शन और परामर्श और विषयवस्तु से संबंधित क्षेत्रों में अधिक संख्या में तकनीकी शिक्षकों को प्रशिक्षण देना।
- ग्रामीण और पिछडे क्षेत्रों के छात्रों को भी उचित कालावधि के भीतर ई-लर्निंग अवसर प्रदान करना।
- वर्तमान परिस्थिति में संकायों की कमी को देखते हुए ई-लर्निंग पर्यावरण द्वारा प्रशिक्षण अवसर का उपयोग करने में शिक्षकों को प्रोत्साहित करने के लिए तकनीकी संस्थाओं को सुविधाएँ प्रदान करना।
- इंजीनियरिंग कालेजों और पॉलिटेकनिकों में पढनेवाले छात्रों को इंजीनीयरिंग पाठ्यक्रम में ई-लर्निंग संसाधन प्रदान करना।
- समुद्रपार देशों से समुदाय एवं शिक्षकों और शैक्षिक प्रशासकों के लिए ऑन लाइन कार्यक्रम प्रदान करना।

परियोजना का परिणाम

ई-कन्टेन्ट विकास ज्ञान सृजन और प्रसार की आवश्यकता पूरी करता है जो मिशन के सारभूत लक्ष्य का समर्थन करता है। निम्नलिखित परिणाम निकले:

- तकनीकी शिक्षकों, छात्रों और समाज को आजीवन-अधिगम प्रदान करना और साथ ही शिक्षा के लिए ऐसी संभाव्यता प्रदान करता है जो केंद्रीकृत शिक्षा संस्थाओं से शिक्षकों / छात्रों के द्वार तक पहुँचे।
- अधिक व्यक्तियों तक पहुँचना; तुरंत नहीं तो शीघ्र और पूर्णतः दूरी और समय तत्व का उन्मूलन।
- बाह्य प्रशिजज ज़ार्यज़्मों ज़े लिए प्रतिवियुवित्त की समस्या कम करना।
- तकनीकी संस्थाओं में संकाय की कमी की वर्तमान स्थिति में गुणवत्तागुक्त विषय सहित अधिगम अवसर प्रदान करना।
- डिजिटल डिवाइड न्यूनतम करना।

अधिक संख्या में तकनीकी शिक्षक को प्रशिक्षण देने के लिए अगले वर्ष वेब अधारित पाठ्यक्रम/वेब प्रसारण आयोजित करने की योजना है। समुचित अंतः संरचना युक्त तकनीकी संस्थाओं का पता लगाया जा रहा है ताकि वे वेब प्रसारण के लिए मोडल केंद्र के रुप में काम कर सके।

13.0 ई-गवर्नन्स परियोजना का कार्यान्वयन

संस्थान ई-गावर्नन्स प्रयोग को विकसित करने का प्रक्रम कर रहा है जिसमें संस्था की शैक्षिक, लेखा, क्रय और प्रशासनिक प्रक्रिया शामिल है। ई-गवर्नन्स प्रयोग का उद्देश्य इन प्रक्रियाओं की उत्पादकता और सौलभ्य के सुधार में मदद करना है। संस्थान ने प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आर एफ पी) प्रलेख तैयार किया है जिसमें तैयार किए जाने के ई-गवर्नन्स प्रयोग के क्षेत्र और आवश्यकता की रूप रेखा है। खुली निविदा का निमंत्रण किया गया और एप्रैल २०११ में विक्रेताओं ने तकनीकी और वणिज्यिक बोली प्रस्तुत की। खुली निविदा प्रक्रिया के परिणाम स्वरूप हेचटीसी ग्लोबल सर्विसस प्रा.लि. को ई-गवर्नन्स प्रयोग के विकास के लिए विक्रेता के रूप में चुना गया।

सेवास्तर को करार (एस एल ए) पर रा त शि प्र अ सं, चेन्नई और हेच टी सी ग्लोबल सर्विसस प्रा.लि. चेन्नई के बीच दि. २४.११.२०१० को हस्ताक्षर हुए ज़रार के अनुसार (i) शैक्षिक प्रक्रिया प्रणाली, (ii) वित्त, क्रय, मालसूची और आस्ति प्रबंधन और, (iii) वेतन चिट्ठा और मानव संसाध-न प्रणाली और, (iv) छात्रावास और अतिथि गृह प्रबंधन की प्रयोजनमूलक आवश्यकता के लिए ई-गवर्नन्स आधारित आटोमेशन तैयार करना था।

विक्रता अनुप्रयोग का प्रारंभिक अध्ययन तैयार किया है जिसका अधिष्ठापन किया गया है। निम्नलिखित पाँच माड्यूलों के अभिलक्षणों और मान्यता की समीक्षा ई-गवर्नन्स समूह और प्रचालन से वास्तविक रूप से संबंधित स्टाफ द्वारा की जा चुकी है।

शैक्षिक माड्यूल	हेचआरएमएस और वेतन चिट्ठा
क्रय और भंडार	फाइल संचलन प्रणाली
वित्त	

समीजजों द्वारा सूचित सुधारों को व्यापारी ने कार्यान्वित किया है। प्रतीक्षा की जाती है कि मई २०१४ से ई-गवर्नन्स पूरा प्रचालन होगा।

14.0 हि-दी भाषा जे प्रयोज ज ा ज ार्या-वय-ा

राजभाषा कार्यान्वयन समिति के विचार के अनुसार संस्थान ने हिन्दी के प्रगति के लिए कई कार्यक्रम चलाए। इस वर्ष निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:

1. राजभाषा नीति और एवं बोल चाल की हि-दी विषय पर संस्था-ा जे हि-दी ज ज -ो दि.०१/१६/२०१२ को एक दिवसीय कार्यशाला चलाई। २५ प्रतिभागी उपस्थिति रहे।

2. दि. ०७/०९/२०१२ को चेन्नई के आसपास के स्कूली बच्चों के लिए सूचना प्राद्योजिजी वरदा-ा या शाप शीर्षक पर चित्रकारी, भाषण और निबंध प्रतियोगिता चलाई गई। ६ स्कूलों से ७९ छात्रों ने भाग लिया। दि. १४/०९/२०१२ को हिन्दी दिवस के अवसर पर विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

3. दि. १०/०९/२०१२ जो "राजभाषा भूत, वर्तमान और भविष्य पर एक दिवसीय जार्यशाला संस्था-ा जे हिंदी जज द्वारा आयोजित की गई। २२ प्रतिभागियों ने इस में भाग लिया।

4. दि.२९/११/२०१२ जो राजभाषा नीति और कार्यालयीन हिन्दी वाक्य रचना पर संस्था-ा के हि-दी कक्ष ने एक दिवसीय कार्यशाला चलाई। २७ प्रतिभागी उपस्थित रहे।

5. दि.३०/०१/२०१३ को सरल हिन्दी वाक्य और बोलचाल एवं स्थितिपरक हिन्दी पर संस्थान के हि-दी कक्ष ने एक दिवसीय कार्यशाला चलाई। २४ प्रतिभागियाँ ने भाग लिया।

6. दि.५ से ७ सितंबर २०१२ तक संस्थान हिन्दी पखवाड़ा और १४ सितंबर २०१२ जो हि-दी दिवस संस्थान में मनाया गया। विभिन्न प्रतियोगिताएँ - निबंध लेज-ा, सुलेखा (ग्रूप डी के लिए) और हिन्दी अंताक्षरी और हिन्दी वाक्स्पर्धा - संस्थान के कर्मचारियों और प्रशिक्षणार्थियों के लिए चलाई गई। डॉ. पी. षण्मुगम, एम.एस., एम.एस.सी., पी.हेचडी., मुज्य वैज्ञानिक और राष्ट्रमंडल फेलो (यू.के.) पर्यावरणीय इंजीनियरिंग विभाग, सीएसआईआर-केंद्रीय चर्म अनुसंधान संस्थान, अडयार, चेन्नई-२० समारोह के मुख्य अतिथि रहे।

15.0 अंत: रा त शि प्र अ सं. खेल प्रतियोगिता

जेल और सांस्कृतिक सहभागिता रा त शि प्र अ सं के बीच भातृभाव का सभी स्तरों में विकास होता है। जिससे रा त शि प्र अ सं तंत्र के संपूर्ण विकास के लिए वांछित भाई चारा और टीम भावना का विकास होता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए २००५ से प्रति वर्ष अत: रा त शि प्र अ सं., द्वारा खेल समारोह का आयोजन किया जाता है। अब तक चार खेल चंडीगढ़, भोपाल, कोलकता और चेन्नई में चक्राबृत्ति आधार पर प्रतियोगिताऍ सफलता पूर्वक चलाई गई है। अब तक आठ खेलकूद प्रतियोगिता चलाई जा चुकी है।

-ावीं खेल प्रतियोगिता - २०१३, १९ से २२, फरवरी २०१३ तक रा त शि प्र अ सं. चंडीगढ़ में आयोजित हुई। रा त शि प्र अ सं. चेन्नई से ुल १७ प्रतिभागियों ने खेल प्रतियोगिता में भाग लिया और रा त शि प्र अ सं. चंडीगढ़ ने चैम्पियन शिप जीता।

16.0 संकाय समाचार

इस संस्था-ा के अधिकांश सदस्यों ने विभिन्न विशेष समितियों में बतौर सदस्य भाग लिया जिसका गठन एआईसीटीई, मा.सं.वि.मं., आईएसटीई, तकनीकी शिक्षा निदेशालयों, विश्वविद्यालयों और दक्षिण क्षेत्र के स्वशासी कालेजों ने किया।

सम्मिलित प्रशिक्षण और संकाय विकास कार्यक्रम:

१. डॉ.जी. जनार्दनन और डॉ. आर. रविचंद्रन ने ३१ अक्तूबर से २ नवंबर २०१२ तक आईआईटी मुबंई में भारत की ई-अंत संरचना पर प्रथम राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क वार्षिक कार्यशाला में भाग लिया।

२. श्री के.एस.ए. दिनेश कुमार आई आई टी मद्रास, चेन्नई में आई आई टी मद्रास, चेन्नई और भारतीय कंक्रीट संस्थान (आई सी आई) चेन्नई द्वारा आयोजित जल सहकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थिति रहे।

३. डॉ. ई.एस.एम. सुरेश, डॉ. जी. जनार्दनन और इंजी. के.एस.ए. दिनेश कुमार ने ७ फरवरी २०१३ जो सीजीडब्ल्यूबी में भू जल पर भारतीय राष्ट्रीय समिति का अ और वि सत्र पर कार्यशाला में भाग लिया।

४. डॉ.एस.रेणुका देवी एन आई आर डी, जयपुर में जेंडर बजटिंग पर मास्टर ट्रेनर्स प्रोग्रम में उपस्थिति रही।

५. डॉ. ई.एस.एम. सुरेश, डॉ. फिलिप कुरियन, डॉ. आर. शांत कुमार, श्री एम. सेंतिल कुमार और श्री वी. षण्मुगनीदि ने ११ से १५ मार्च २०१३ तक एन आई टी टी टी आर, चंडीगढ़ में भारतीय गुणवता परिषद द्वारा आयोजित गुणवत्ता प्रबंधन मानक और गुणवत्ता प्रोद्योगिकी उपकरण पर प्रशिजज जार्यज्रम में भाज लिया।

६. डॉ. एस. धनशेखरन, डॉ.जी. कुलन्दैवेल, डॉ. जी. जनार्दनन, डॉ. एस. सोमसुंदरम, श्री जे.एस.ए. दि-ेश जुमार, श्री ए.पी. फेलिक्स आरोग्यराज ने आई टी टी टी आर, चेन्नई में भारतीय गुणवत्ता परिषद द्वारा १८.०३.२०१३ से २२.०३.२०१३ तक आयोजित गुणवत्ता प्रबंधन मानक औश्र गुणवत्ता उपकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

व्यावसायिक नियत कार्य:

१. डॉ. एस. धनपाल ने भारत-ईयू कौशल विकास परियोजना, श्रम और रोजगार मंत्रालय, नई दिल्ली जे पाठ्यचर्या विकास और शिक्षण प्रशिक्षण की उपसमिति के सदस्य के रूप में भाग लिया।

२. डॉ. जी. जनार्दनन ने भारत-ईयू कौशल विकास परियोजना, श्रम और रोजगार मंत्रालय, नई दिल्ली के जुणवत्ता आश्वासन कार्य समूह की उपसमिति के सदस्य के रूप में भाग लिया।

३. डॉ. एस. धनपाल, डॉ.जी. कुलन्दैवेल और डॉ. जी. जनार्दनन ने १६५ पालिटेकनीकों के परियोजना प्रस्ताव जी संवीक्षा में वर्तमान पालिटेकनीकों को समर्थ बनाना पर मंत्रालय सलाहकार समिति की उपसमिति में सदस्यों जे रूप में काम किया।

४. डॉ. एस. धनपाल और डॉ. जी. जनार्दनन ने मास्टर ट्रेनर प्रोग्राम के प्रशिक्षण के लिए रूपात्मकता को अंतिम रूप देने में भारतीय गुणवत्ता परिषद में गुणवत्ता प्रबंधन उपकरण / गुणवत्ता प्रोद्योगिकी उपकरण पर हुई बैठक में सदस्यों के रूप में भाग लिया।

५. डॉ. जी. जनार्द-ा-ा -े डॉ. धर्माम्बाल गवर्नमेन्ट पालिटेकनीक कालेज फॉर विमन तरमणी, चेन्नई की क्रय समिति में सदस्य के रूप में काम किया।

सम्मेलनों में प्रस्तुत शोध पत्र:

१. रेणुका देवी. एस (२०१२, जून) इंजीनियरिंग संस्थाओ में किशोर तकनीकी छात्रों के संबंध में तकनीकी शिक्षकों का प्रत्यक्ष ज्ञान टोक हेच विज्ञान और प्रोद्योगिकी संस्थान, केरल में १३-१८ जून २०१२ को संचालित अनुप्रयुक्त म-ो विज्ञान की भारतीय अकादमी जे ४७-वें राष्ट्रीय और १६-वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्र।

२. रेणुका देवी. एस और रम्या.जे.एस. (२०१२, जून) आटोमोबाइल उद्योग में प्रबंध अधिशासियों के क्यूडब्ल्यूएल पर एक अध्ययन १५-१७ जून २०१२ तक टोक हेच विज्ञान और प्रोद्योगिकी संस्थान, केरल में संचालित अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान की भारतीय अकादमी के ४७-वें राष्ट्रीय और १६-वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्र।

पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्र:

१. सुरेश, ई.एस.एम. और पुरुषोत्तमन, पी. (२०१२)। भारत में निर्माण मजदूरों के प्रशिक्षण से संबंधित समस्याओं पर एक अध्ययन। टार्स, वा.१, सं.१, पृ.५४-६६।

२. सुरेश, ई.एस.एम. और शिमि लॉरेन्स (२०१२)। इंजीनियरिंग पाठ्यचर्या में आपदा प्रबंधन के समाकलन की आवश्यकता - इंटरनेशनल जर्नल आफ मॉडर्न इंजीनियरिंग रिसर्च, वा.२, संस्करण ६, पृ.४५२४-४५२६।

३. सुरेश, ई.एस.एम. और हेमबाला.जे (२०१२)। मोबाइल लर्निंग मेनेजमन्ट सिस्टम का फ्रेमवर्क डिजाइन.इंटरनेशनल जर्नल आफ कम्प्यूटर एण्ड इन्फर्मेशन टेकनोलोजी, वा.१, संस्ज्रज २, पृ.१७९-१८४।

४. राजेन्द्रन और श्री जो. वसंत, बी. (२०१२)। इंजीनियरिंग कालेजों में गणित संकायों ज्ा व्यावसायिक विकास पर एक अध्ययन - एशियन जर्नल आफ रिसर्च इन सोसियल सायन्सेस ह्यूमेनिटी, वा.२, संस्करण ४, पृ.१०-१३।

५. षण्मुगनीदि, वी. रमेश, पी. और स्वामीनाथन, एस. (२०१२)। वेब सर्विसस द्वारा वेब एप्लिकेशन में क्लायन्ट साइड ऐटाक का निवारण-एक विहंगावलोकन अंतर्राष्ट्रीय जर्नल आफ सॉफ्ट कम्प्यूटिंग, वा.७, संस्ज्रज ४, पृ.१८१-१९०।

६. मल्लिज्ा.पी (२०१२)। क्लाउड कम्प्यूटिंग के लिए डेटावेस सर्विसस. एक विहज्ावलोज्ा अंतर्राष्ट्रीय जर्नल आफ कम्प्यूटर्स एण्ड टेकनलोजी, वा.२, संस्ज्रज ३, पृ.६७-७०।

प्राप्त पुरस्कार

- प्रो.डॉ.एस. मोहन को पांडिचेरी साइकॉलजी एसोसियेशन, पुदुच्चेरी ने आईएएपी-पीपीए बेस्ट एज्युकेशनिस्ट अवार्ड २०१२ प्रदान किया।
- डॉ. एस. रेणुका देवी को पांडिचेरी साइकॉलजी एसोसियेशन, पुदुच्चेरी ने बेस्ट टीचर अवार्ड २०१२ प्रदान किया।

एआईसीटीई, आईएसटीई, एमहेचआरडी, डीओटीई को अप-ी व्यावसायिज सहायता के अलावा दक्षिण राज्यों में स्वायत्त वाकि टेकनीक और इंजीनियरिंग कालेजों द्वारा पाठ्यचर्या विकास के लिए संसाधन प्रदाता के रूप में संस्थान के संकायों ने सेवा की। मानित विश्वविद्यालयों और स्वायत्त इंजीनियरिंग कालेजों और पॉलिटेकनीकों में या तो विशेषज्ञ समिति के सदस्यों या कार्यशालाओं में संसाधन प्रदाता के रूप में सेवा की।

17.0 संकाय समाचार:

संस्थान निम्नलिखित को अपना आभार एवं कृतज्ञता प्रकट करता है:

- भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (माध्यमिक शिक्षा और उच्च शिक्षा विभाग) को सभी कार्यक्रमों और कार्यकलापों में सतत समर्थन के लिए।
- शासक मंडल और उसकी उपसमितियों को संस्थान के कार्य संचालन में योगदान के लिए।
- ऑन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के राज्य सरकारों को और संघ शासित राज्य जेत्र पुदुचेरी को संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए शिक्षकों को प्रतिनियुक्त करने में सहयोग और सहायता के लिए।
- विभिन्न उद्योगों और उनके प्रबंधन विभागों को संस्थान के कार्यक्रमों के प्रभावात्मक संचालन के लिए सहयोग और सहायता के लिए।
- संस्था-न जे संज ाय और स्टाफ को रिपोर्टाधीन वर्ष को महत्व पूर्ण बनाने में कठिन परिश्रम और समर्पण भावना के लिए।
- समाचार पत्रों, आकाशवाणी और दूरदर्शन को संस्थान के कार्यक्रमों और कार्यकलापों के प्रचार और समर्थन के लिए।

18.0 शासक मंडल:

बोर्ड के शासक मंडल वित्त समिति और विभिन्न समितियों का गठन परिशिष्ट (i) और (ii) में दिया गया है।

परिशिष्ट

परिशिष्ट I

रा.त.शि.प्र.अ.सं. चेन्नई सोसाइटी और शासक मंडल

अध्यक्ष

डॉ. एस.आर.के. प्रसाद

अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
ृष्ण औद्योगिक निगम लि.,
आर/ओ ८, ९, १० राजेश्वरी नगर,
सौरीपालयम, ज ोयम्बत्तूर - ६४१ ०२८

सदस्य-सचिव

प्रो. डॉ. एस. मोहन

-िदेशज
राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नई - ६०० ११३

सदस्य

भारत सरकार के शिक्षा तथा वित्त विभागों से मनोनीत प्रतिनिधि		**संयुक्त सचिव (टी ई एल)** उच्च शिक्षा विभाज मा-ाव संसाध-ा विज ास मंत्रालय भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली - ११० ००१
		वित्त सलाहज ार (म.सं.वि.) एकीकृत वित्त प्रभाग मा-ाव संसाध-ा विज ास मंत्रालय उच्च शिक्षा विभाग भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली - ११० ००१
तकनीकी शिक्षा के पाँच निदेशक	१.	**तकनीकी शिक्षा आयुक्त** तकनीकी शिक्षा निदेशालय तमिलनाडु राज्य सरकार चेन्नै - ६०० ०२५
	२.	**-िदेशज** तकनीकी शिक्षा निदेशालय ऑन्ध्र प्रदेश राज्य सरज ार ५ वाँ और छठा तल, बी.आर.के.आर. भवन टैंक बंड रोड, बैंगलूर - ५६० ००१

३. **निदेशज**
तकनीकी शिक्षा निदेशालय
जेरल राज्य सरकार
त्रिवे-द्रम, जेरल - ६९५ ०२३

४. **निदेशज**
तकनीकी शिक्षा निदेशालय
महाराष्ट्र राज्य सरकार
३, महापालिजा मार्ज,
मुंबई-४०० ००१, महराष्ट्र राज्य

५. **निदेशज**
तकनीकी शिक्षा निदेशालय
ओडीशा राज्य सरकार
किल्ला मैदान, बक्सी बाजार,
जट्टज-७५३ ००१, ओडीश राज्य सरकार

अ.भा.त.शि.प. का प्रतिनिधि
डॉ. कुंचेरिया पी. आइसक
सदस्य सचिव
अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद
७वाँ तल, चंदरलोक बिल्डिंग,
जनपथ, नई दिल्ली - ११० ००१

विश्वविद्यालय का प्रतिनिधि
उप कुलपति, अण्णा विश्वविद्यालय, चेन्नई - ६०० ०२५

मा.सं.वि.मं. द्वारा नामित दो उद्योगपति / तकनीकी पेशेवर

१. **श्री करुमुत्तु टी. कण्णन**
प्रबंध निदेशज
त्यागराजर मिल्स (प्र) लि., मदुरै-६२५ ००८

२. **डॉ. एस.एस. वरप्रसाद**
अध्यक्ष
अनुराग ग्रूप आफ इंजीनियरिंग कालेजस
वेंकटपुर (वी), घटकेसर - ५०१ ३०१
आर.आर. जिला (आ.प्र.)

संकाय प्रतिनिधि
डॉ. ई.एस.एम. सुरेश (०७.११.२०१२ से)
प्रोफेसर और प्रधान
सिविल इंजीनियरिंग विभाग
रा.त.शि.प्र.अ.सं., चेन्नई - ६०० ११३

वित्त समिति

अध्यक्ष

डॉ. एस.आर.के. प्रसाद
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
कृष्ण औद्योगिक निगम लि.,
आर/ओ ८, ९, १० राजेश्वरी नगर,
सौरीपालयम,
कोयम्बत्तूर - ६४१ ०२८

सदस्य

अपर सचिव (टीइल)
उच्च शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
भारत सरकार
शास्त्री भवन
नई दिल्ली - ११० ००१

वित्त सलाहकार (मा.सं.वि.)
एकीकृत वित्त प्रभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
उच्च शिक्षा विभाग
भारत सरकार
शास्त्री भवन, नई दिल्ली - ११० ००१

तकनीकी शिक्षा आयुक्त
तकनीकी शिक्षा निदेशालय
तमिलनाडु राज्य सरकार
गिण्डी, चेन्नई - ६०० ०२५

सदस्य-सचिव

प्रो. डॉ. एस. मोहन
निदेशक
राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं
अनुसंधान संस्थान,
तरमणि, चेन्नई - ६०० ११३

बोर्ड की उप समितियाँ

1. ज र्मचारी चयन समिति
[ए आई सी टी ई के मानदंड के अनुसार]

सदस्य

अध्यक्ष
शासक मंडल
रा त शि प्र अ सं, चेन्नई - ६०० ११३

निदेशज
रा त शि प्र अ सं, चेन्नई - ६०० ११३

विभागाध्यक्ष प्राचार्य स्तर के
रा त शि प्र अ सं, चेन्नई - ६०० ११३

ए आई सी टी ई से नामित प्रचार्य स्तर के
विषय जे दो विशेषज्ञ

2. भवन निर्माण समिति

अध्यक्ष

तकनीकी शिक्षा आयुक्त
तकनीकी शिक्षा निदेशाल्य
तमिलनाडु राज्य सरकार
गिण्डी, चेन्नई - ६०० ०२५

सदस्य

अधीक्षक अभियन्ता
जे.लों.नि.वि.,
चेन्नई - ६०० ००६

अधीक्षक अभियन्ता
(तकनीकी शिक्षा डिवीज़न)
लोज निर्माज विभाज
तमिलनाडु राज्य सरकार
सरदार पटेल रोड
चेन्नई - ६०० ०२५

सदस्य / सचिव

निदेशज
रा त शि प्र अ सं., चेन्नई - ६०० ११३

3. विभागीय पदोन्नति समिति

अध्यक्ष	डॉ. एस. धनपाल प्रोफेसर और प्रधान पाठ्यचर्या विकास केंद्र रा त शि प्र अ सं., चेन्नई - ६०० ११३
सदस्य	श्री ए. अय्याकण्णु निदेशक शिक्षुत प्रशिक्षण बोर्ड सीआईटी कैम्पस, तरमणि, चेन्नई - ११३
	श्री जे. कुमरप्पन सहायक रजिस्ट्रार आईआईटी मद्रास, चेन्नई - ६०० ०२५
	श्री वी. वीरासामी परामर्शदाता (प्रशासन) रा त शि प्र अ सं., चेन्नई - ६०० ११३
	डॉ. जी. जनार्दनन एसोसिएट प्रोफेसर सीईएम विभाग रा त शि प्र अ सं., चेन्नई - ६०० ११३

परिशिष्ट - IV

1. अकादमीय परिषद

अध्यक्ष	निदेशज राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नई - ६०० ११३
सदस्य	सभी प्राचार्य / विभागाध्यक्ष दो एसोसियेट प्रोफेसर दो सहायज प्रोफेसर तकनीकी शिक्षा क्षेत्र से दो सुविज्ञ व्यक्ति और उद्योगों से दो प्रतिष्ठित व्यक्ति

2. समुद्रपार शिक्षक पाठ्यक्रम के लिए अध्ययन बोर्ड

१. प्रो. डॉ. एस. मोहन	-	अध्यक्ष
२. डॉ. एस. धनपाल	-	सदस्य
३. डॉ. वी.के. नटराजन	-	सदस्य
४. डॉ. जी. जनार्दनन	-	सदस्य
५. डॉ. जी. कुल-दैवेल	-	संयोजक (जून २०१२ तक)
६. डॉ. टी. जगद्रक्षकन	-	संयोजक (जून २०१२ से)

3. एम.टेक. (मा.सं.वि) कार्यक्रम के लिए अध्ययन बोर्ड

१.	प्रो. डॉ. एस. मोहन	-	अध्यक्ष
२.	डॉ. एस. धनपाल	-	सदस्य
३.	डॉ. जी. ज़ु ल-दैवेल	-	सदस्य
४.	डॉ. एस. रेणुका देवी	-	सदस्य
५.	डॉ. जी. जनार्दनन	-	सदस्य
६.	श्री वी. षज्मुज-नीदि	-	सदस्य

4. डॉक्टरी उपाधि कार्यक्रम के लिए अध्ययन मण्डल (अनुसंधान अध्ययन)

१.	प्रो. डॉ. एस. मोहन	अध्यक्ष
२.	डॉ. पी. अरुणकुमार	सदस्य
३.	डॉ. एस. धनशेखरन	सदस्य
४.	डॉ. एस. धनपाल	सदस्य
५.	डॉ. ई.एस.एम. सुरेश	सदस्य
६.	डॉ. एस. रेणुका देवी	सदस्य
७.	डॉ. आर. राजेन्द्रन	सदस्य
८.	डॉ. जी. जनार्दनन	सदस्य

शिकायत निवारण समिति

डॉ. वी.के. नटराजन प्रोफेसर और प्रधान ग्रामीज विज ास उेंद्र	**अध्यक्ष**
डॉ. टी. जगद्रक्षकन प्रोफेसर और प्रभारी प्रधान अंतर्राष्ट्रीय कार्य केंद्र (सीआईए)	सदस्य
डॉ. जी. ज ुल-दैवेल प्रोफेसर और प्रभारी प्रधान शैजिक मीडिया केन्द्र	सदस्य
डॉ. रति आनंद सहायज प्रोफेसर इलेक्ट्रिकल इंजी. विभाग	सदस्य
श्री वी. वीरासामी परामर्शदाता (प्रशासन)	विशेष आमंत्रित

लोक सूचना अधिकारी

डॉ. जी. कुल-दैवेल
प्रोफेसर और प्रभारी प्रधान
शैक्षिक मीडिया केन्द्र

कार्यस्थल पर महिलाओं पर यौन उत्पीड़न के निवारण के लिए समिति

डॉ. एस. रेणुका देवी शिक्षा के प्रोफेसर और प्रभारी प्रधान	अध्यक्ष
डॉ. एस. धनपाल पाठ्यक्रम विकास केन्द्र के प्रोफेसर	सदस्य
श्रीमती आर. वनजाकुमारी निदेशक के वरिष्ठ व्यक्तिक सहायक	सदस्य

समिति की बैठकों के विवरण

	सं.	
शासक मंडल	२५-वीं	१३.०९.२०१२
	२६-वीं	२२.०२.२०१३
रा त शि प्र अ सं, चेन्नै सोसाइटी	९-वीं	१३.०९.२०१३
वित्त समिति	२४-वीं	१३.०९.२०१२
	२५-वीं	२२.०२.२०१३
वि.प.स.	३८-वीं	०४.०१.२०१३

संकाय और कर्मचारी गण सूची

निदेशज	**प्रो. डॉ. एस. मोहन, एम.ई., पी हेच.डी., एफ.एन.ए.ई.,**
पर्यावरज प्रबंध-ा जे-द्र	**प्रो. डॉ. एस. मोहन, एम.ई., पी हेच.डी., एफ.एन.ए.ई.,** निदेशक व अध्यक्ष
	डॉ. जी जनार्दनन, एम.ई., पी हेच.डी. (यू एस ए) अतिथि संकाय
संधारजीय विज ास जें द्र	**डॉ. वी.के. नटराजन, एम.ए., एम.ए., पी हेच.डी.,** प्रोफेसर
अंतर्राष्ट्रीय विकास केंद्र	**डॉ. टी. जगदरक्षकन, बी.ई. (आनर्स), एम.ई., पी हेच.डी.** प्रोफेसर सिविल इंजी. व प्रभारी अध्यक्ष सीआईए
सिविल अभियांत्रिकी	**डॉ. ई.एस.एम. सुरेश, बी.ई., एम.ई., पी हेच.डी.** प्रोफेसर, सिविल इंजी. और अध्यक्ष
	डॉ. आर. शान्तकुमार, एम.ई., पी हेच.डी. एसोसियेट प्रोफेसर, इंजीनियरिंग
	श्री के.एस.ए. दिनेश कुमार, एम.ई. सहायज प्रोफेसर
ज म्प्यूटर केंद्र	**डॉ टी.जी. संबंधन, एम.ई., पी हेच.डी., पी जी डी पी एम** इ डी पी प्रबंधक
	श्रीमती पी. मल्लिका, बी.ई., एम.एस. वरिष्ठ सिस्टम एनालिस्ट
	श्री वी. षण्मुगनीदि, एम.ई., सहायज प्रोफेसर
पाठ्यक्रम विकास केन्द्र	**डॉ. एस. धनपाल, बी.ई., एम. एस सी. (इंजि.), पी हेच.डी.** प्रोफेसर
	श्री डी.वी. सूर्यनारायण, बी.ई., प्रोग्रामर
शिजा	**डॉ. एस. रेणुका देवी, बी. एस सी., एम.सी.ए., एम.फिल., पी हेच.डी.** शिजा जे प्रोफेसर और प्रभारी प्रधान

	डॉ. आर. राजेन्द्रन, एम.एड., एम.बी.ए. पी हेच.डी. एसोसियेट प्रोफेसर
	श्री के.एस. गिरिधरन, बी.ई., एम.टेक., सहायज प्रोफेसर
शैक्षिक मीडिया केंद्र	**डॉ. आर. त्यागराजन, एम.ई., एम.एस सी. (आई.टी.,यू के), पी हेच.डी.** प्रोफेसर
शैजिज प्रोद्योजिजी व मल्टीमीडिया	**डॉ. पी. शिवकुमार, एम.ई., पी जी डी एच ई, पी हेच.डी.** प्रोफेसर (31.08.2012 तक)
	डॉ. ई.एस.एम. सुरेश, बी.ई., एम.ई., पी हेच.डी. प्रोफेसर, सिविल इंजी. और अध्यक्ष (31.08.2012 से)
	श्री ए.पी. फेल्क्सि आरोग्यराज, बी. एस सी., एम.एस सी., डी.एफ. टेक. सहायज प्रोफेसर
विद्युत इंजीनियरिंग	**डॉ. जी.ए. रति, एम.ई., पी जी डी सी ए, पी हेच.डी.** सहायज प्रोफेसर
इलेक्ट्रानिक इंजीनियरिंग	**डॉ. एस. धनशेखरन, बी.ई., एम.एस सी. (इंजि.), पी हेच.डी.** प्रोफेसर
	डॉ. जी. कुळन्दैवेल, एम.ई., पी जी डी सी ए, पी हेच.डी. प्रोफेसर शैक्षिक मीडिया केन्द्र व प्रभारी अध्यक्ष
	श्री पी. शिवशंकर, एम.ई., सहायज प्रोफेसर
विस्तार केंद्र, बैंगलौर	**डॉ. पी. अरुण कुमार, एम.एस सी., एम.एड, पी हेच.डी.** प्रोफेसर
	श्री वी. शिवकुमार, एम.ई., सहायज प्रोफेसर
	श्री एम. सेंतिल कुमार, बी.ई., एम.टेक. सहायज प्रोफेसर (१५.०१.२०१३ तक)

विस्तार केंद्र, हैदराबाद	**डॉ. सी.आर. नागेन्द्र राव, बी.टेक.एङ, एम.टेक., पी जी डी टी सी ए, पी हेच.डी.** प्रोफेसर
	श्री यू.एस. साहु, बी.ई., एम.टेक., एसोसियेट प्रोफेसर
विस्तार केन्द्र, कलमसेरी	**डॉ. श्याम प्रकाश, एम.ई., पी. हेचडी.,** प्रोफेसर (प्रतिनियुक्ति पर - १०.०१.२०१३ तक)
	श्री फिलिप कुरियन, एम.एस सी. (इंजि.) एसोसियेट प्रोफेसर
यांत्रिक इंजीनियरिंग	**डॉ. एस. सोमसुन्दरम, एम.ई., पी हेच.डी.** सहायज प्रोफेसर
	श्री एम. सेंतिल कुमार, बी.ई., एम.टेक. सहायज प्रोफेसर (१६.०१.२०१३ से)
नीति योजना व शैक्षिक अनुसंधान	**श्री एस. राजशेखर, बी.ई. एम.टेक (मा सं वि)** अनुसंधान सहायक, शिक्षा
संसाध-ा उेंद्र	**डॉ. आर. रविचंद्रन, एम.एस.सी., एम.एल.ऐ.एस., एम.एड़, एम.बी.ए., पी हेच.डी.,** वरि. पुस्तकालयाध्यक्ष

होस्टल

वार्डन	**प्रो. डॉ. एस. मोहन** निदेशज
उप वार्डन	**डॉ. ई.एस.एम. सुरेश** प्रोफेसर सिविल इंजी. विभाग
सहायक वार्डन	**डॉ. पी. मल्लिका,** वरिष्ठ सिस्टम एनालिस्ट जम्प्यूटर केंद्र
	डॉ. आर. रविचंद्रन, वरि. पुस्तकालयाध्यक्ष संसाधन जेंद्र
चिकित्सा अधिकारी (पार्ट-टाइम)	**डॉ. जे.एस.एन. मूर्ति, एम.डी. (मेडिसन)** डी एन बी (कार्डियालजी)

भाग - II

2012-13 साल का लेखा विवरण

लेख परीक्षा
महा निदेशक (केन्द्रीय),
चेन्नई

३१ मार्च २०१३ को अंत होनेवाले वर्ष के लिए राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई के लेखों पर भारत के नियंत्रक और महा लेखा परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने नियंत्रक और महा लेखा परीक्षक (कर्तव्य शक्ति और सेबाशर्तों) अधिनियम, १९७१ की धारा २० (१) के अधीन ३१ मार्च २०१३ पर राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई के संलग्न तुलनपत्र और असतिथि में समाप्त आय व्यय लेखा / प्राप्तियाँ और अदायगी लेखा की लेखा परीक्षा की है। वर्ष २०१२-१३ की अवधि तक लेखा परीक्षा सौंपी गई है। ये वित्तीय विवरण संस्थान के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व इन वित्तीय विवरणों पर अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर अपनी राय अभिव्यक्त करना है।

२. इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में केवल वर्गीकरण, उत्कृष्ट लेखा रीति की अनुरुपता के संबंध में लेखा प्रणाली, लेखा प्रणाली मानक, प्रकटन प्रतिमान आदि पर नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ हैं। विधि, नियम और विनियम (औचित्य और नियमितता) और दक्षता-सह-निष्पादन पहलू आदि, यदि कुछ हो, के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेन पर लेखा परीक्षा टिप्पणियाँ पृथक रूप से निरीक्षण रिपोर्ट / सी ए जी लेखा परीक्षा रिपोर्ट के जरिए दर्शायी गयी है।

३. भारत में सामान्यत: या स्वीकृत लेखा परीक्षा मानक के अनुसार हमने लेखा परीक्षा की है। ये मानक यह अपेक्षा करते है कि हम लेखा परीक्षा की योजना और निष्पादन इस प्रकार करें कि हमें यह उचित आश्वासन प्राप्त हो जाए कि वित्तीय विवरण तात्विक गलत विवरण से मुक्त हैं। लेखा परीक्षा में परीक्षण तौर पर लेखों का समर्थन करनेवाले साक्ष्य और वित्तीय विवरणों की जाँच सम्मिलित है। लेखा परीक्षा में प्रयुक्त लेखा सिद्धांतों का मूल्यांकन और प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत विशिष्ट कथन और साथ ही वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हमें विश्वास है कि हमारी राय के लिए उचित आधार प्रदान करती है।

४. अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि:

i हमें अपनी लेखा परीक्षा के लिए हमारे ज्ञान और विश्वास के अनुसार आवश्यक सभी सूचनाएँ और स्पष्टीकरण प्राप्त हो गए।

ii इस रिपोर्ट से संबंधित तुलन पत्र और आय-व्यय लेखा / प्राप्ति और अदायगी लेखा वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुसार बनाए गए हैं।

iii हमारी राय में बहियों की हमारी जाँच के अनुसार खाता बही और अन्य संगत अभिलेख परिशिष्ट में सम्मिलित हमारी टिप्पणी के अधीन राष्ट्रीय तकनीक शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई द्वारा उचित रूप के रखे गए है।

iv आगे हम रिपोर्ट करते हैं कि:

अ तुलन पत्र

१. **अचल आस्तियाँ - अनुसूची - ८ - रु.११,८०,३०,६५०**

मरम्मत और भवन अनुरक्षण कार्य यथा सफाई, गृह पालन, भवनों के बाहर-भीतर पेंटिंग, क्षरण की मरम्मत, समुदाय हाल की मरम्मत आदि राजस्व व्यय के रूप में दिखाने के बजाय पूँजीकृत किया गया है। राजस्व व्यय को अचल आस्तियों-भवनों में गलत ढंग से दिखाने के कारण अचल आस्तियों के अधीन भवनों पर व्यय की अत्युक्ति और राजस्व कार्य व्यय की न्यूनोक्ति रु.१,५८,४१,९३६ तक हो गई है।

आ सहायता अनुदान

वर्ष २०१२-१३ के १४.२३ करोड़ रु. के सहायता अनुदान में से जिसमें मार्च २०१३ के दौरान प्राप्त ४,५६,१४,००० करोड़ रु. और पिछले वर्ष की अव्ययित राशि १.३८ करोड़ रु. शामिल है, संस्थान केवल १३.७८ करोड़ रु. खर्च कर सका जिसके कारण ३१ मार्च २०१३ को अव्ययित अनुदान के रूप में १.८३ करोड़ रु. की शेष राशि रह गई।

इ प्रबंधन पत्र

लेखा परीक्षा रिपोर्ट में असम्मिलित कमियों का ध्यान राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई को पृथक रुप से प्रबंधन पत्र द्वारा आकर्षित किया गया ताकि उपचारात्मक / सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके।

v पिछले अनुच्छेदों में हमारी टिप्पणी के अधीन हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट से संबंधित तुलनपत्र और आय-व्यय लेखा / प्राप्ति-अदायगी लेखा वही खातों से मेल जाते हैं।

vi हमारी राय और जानकारी में और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार उक्त वित्तीय विवरण लेखा नीति और लेखा नोट सहित और उपरोक्त विशिष्ट मामलों के और इस रिपोर्ट में उल्लिखित अनुबंध के अधीन भारत में स्वीकृत लेखा सिद्धातें के अनुरुप सही और स्पष्ट रूप प्रस्तुत करते हैं।

क. जहाँ तक तुलन पत्र का संबंध है ३१ मार्च २०१३ को राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई की परिस्थिति।

ख. जहाँ तक उक्त तिथि को समाप्त आय-व्यय लेखे के अधिशेष का संबंध है।

भारत के लेखा-नियन्ता और महालेखा-परीक्षक के लिए / की ओर से
ह/-
लेख परीक्षा महा निदेशक (केन्द्रीय), चेन्नई

स्थान : चेन्नई
दि. : २८-०२-२०१४

पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुबंध

आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

संस्थान की आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली नहीं है।

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

संस्थान ने कोई लेखा मेनुअल तैयार नहीं किया है। उसके अभाव में यह संभव है कि लेखा विधि और प्रणाली का अनुपालन न हुआ हो। परियोजना लेखा प्रविष्टि को अद्यतन नहीं किया गया है, यद्यपि पृथम सामान्य खाता बही रोकड़ बही और सहायक अभिलेख रखे गए हैं।

अचल आस्तियों और माल सूचियों की भौतिक सत्यापन प्रणाली:

अचल आस्तियों और वस्तुसूची का भौतिक सत्यापन २०१२-१३ के दौरान हुआ है। फिर भी २०११-१२ से समेकित अचल आस्ति पंजी अद्यतन नहीं की गई है।

सांविधिक देय राशि की आटायगी में नियमितता:

परियोजना के साथ वसूल किया गया विक्रय कर सरकारी लेखे में प्रषित नहीं किया गया है।

ह/-
उप निदेशक / प्रशा.

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३।

2012-13

का वार्षिक लेखा

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३

३१.०३.२०१३ को तुलन पत्र

आधारभूत / पूँजी निधि व देयताएँ	अनुसूची	चालू वर्ष 2012-2013	गत वर्ष 2011-2012
आधार भूत / पूँजी निधि और देयताएँ	1	249,080,770.00	225,176,489.25
आरक्षित व अधिशेष	2		
उद्दिष्ट/अक्षय निधि	3	12,220,566.00	18,711,783.00
जमानती ऋण और उधार राशियाँ	4		
गैर जमानती ऋण व उधार राशियाँ	5		
आस्थगित जमा देयतायें	6		
चालू देयताएँ और प्रावधान	7	53,730,772.00	25,169,135.98
योग		**315,078,715.00**	**269,057,408.23**
परिसंपत्तियाँ			
अचल परिसंपत्तियाँ	8	118,030,650.00	119,822,721.00
निवेश राशियाँ - उद्दिष्ट / अक्षय निधियों से	9		
निवेश - अन्य	10		
चालू परिसंपत्तियाँ, ऋण, पेशगियाँ आदि	11	197,001,458.00	149,234,687.23
फुटकल व्यय			
योग		**315,078,715.00**	**269,057,408.23**
महत्वपूर्ण लेखा बीमा	24		
लेखे पर प्रासंगिक देयतायें तथा लेखे पर टिप्पणियाँ	25		

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३

३१.०३.२०१३ को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

	अनुसूची	चालू वर्ष 2012-2013	गत वर्ष 2011-2012
आय			
क्रय/सेवाओं से आय	12	3,716,352.00	1,060,853.00
अनुदान आर्थिक सहायताएँ	13	113,957,188.00	156,000,000.00
चंदा शुल्क	14	1,549,300.00	1,321,432.00
निवेशों से आय	15	5,256,315.00	4,043,609.00
रायल्टी व प्रकाशन आदि से आय	16	145,165.00	79,835.54
अर्जित ब्याज	17	65,141.00	6,804.00
अन्य आय	18	216,814.00	871,430.00
तैयार माल और चालू कार्यो के स्टॉक में वृद्धि / (कमी)	19	(4,338.00)	
योग (अ)		**124,901,937.00**	**163,383,963.54**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	96,960,909.00	86,476,960.00
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	11,513,435.00	30,986,960.00
अनुदान, आर्थिक सहायताओं आदि पर व्यय	22	18,881,013.00	15,427,134.00
ब्याज	23	-	-
तैयार माल और चालू कार्यो के स्टॉक में वृद्धि / (कमी)			
मूल्यह्रास	8	26,185,255.00	16,036,378.00
योग (आ)		**153,494,006.00**	**148,927,432.00**
आय से ज्यादा व्यय की शेष राशि (अ-आ)			
विशेष आरक्षण में स्थानांतरित (हरेक को विर्निदिष्ट करें)			
सामान्य आरक्षण निधि को / से स्थानांतरित			
शेष राशि जो आधार भूत पूँजी निधि (B-A) को अग्रानीत अधिशेष / (घाटा)		**(28,592,069.00)**	**14,456,531.54**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३।
वर्ष ३१ मार्च, २०१३ को समाप्त अवधि / वर्ष का प्राप्तियाँ और अदायगी लेखा

प्राप्तियाँ	2012-13 रु. पै.	2011-12 रु. पै.	अदायगी	2012-13 रु. पै.	2011-12 रु. पै.
अथ शेष जमा					
बैंक शेष	70401487.83	19925921.29	शुल्क व कार	4715791.00	
रोकड़ शेष	398900.00	325000.00	विविद्य लेनदार	45027488.10	
			अन्य देयताएँ	395168.00	
वापसी योग्य जमा	401219.00	23308983.00	बकाया खर्च	4715058.70	
			वापसी योग्य जमा	369985.00	179769693.00
ऋण और अग्रिम (आस्तियाँ)	1292942.00		अभिदाता लेखा	6320675.00	
शुल्क और अभिदान	2051850.00		भवन	700848.00	4324969.00
आर्धिक सहायता अनुदान	142314000.00	195793000.00	कम्प्यूटर पेरिफेरल	410350.00	
निवेश	3774649.00		उपस्कर	732068.00	
रायल्टी व प्रकाशन	145165.27		फर्नीचर	65505.00	
बिक्री व सेवाएँ	3481219.00		अन्य आस्तियाँ	928506.00	
अर्जित ब्याज	20301.00	3347518.00			
अन्य आय	3272233.00	142948556.50	पूर्वदत्त बीमा	8706.00	
			ऋण और अग्रिम (आस्तियाँ)	168750.00	

			स्थापना व्यय	71854019.20	74427381.10
			अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	14804730.00	7870734.00
			अन्य प्रशासनिक व्यय	6791312.00	28361943.00
			स प्र पा पर व्यय		12799070.00
			परियोजना व्यय		52698.00
			इति शेष		
			बैंक शेष	69139906.10	77643589.83
			रोकड़ शेष	405100.00	398900.00
	227553966.10	**385648978.83**	**योग**	**227553966.10**	**385648978.83**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमाणि, चेन्नै - ६०० ११३।
वर्ष २०१२-१३ के लिए

अनुसूची - 1

अनुसूची - आधार भूत / पूँजी निधि:	चालू वर्ष 2012-13	गत वर्ष 2011-12
	रु. पै.	रु. पै.
साल के प्रारंभ में शेष *	253107862.00	210719957.71
जोड़िए : आधार भूत / पूँजी निधि को अंशदान		
उपस्करों / परियोजना का पूँजीकरण		
योजना अनुदान पूँजी व्यय	24393184.00	
पिछले वर्ष में ISTE निर्धारित		
TNEB (त.ना.वि.बो) से समाधानकृत जमा राशि		
आधार भूत निधि १० और २०%	218400.00	
राजीव गांधी राष्ट्रीय अधिसदस्यता बि.वि.अ.		
जोड़िए : निवल व्यय शेष		
आय-व्यय लेखे से स्थानांतरित	-28638675.00	14456531.54
घटायें : आय व्यय लेखे से स्थानांतरित		
निवल व्यय शेष		
साल के अंत में - शेष	**249127377.00**	**225176489.25**

* इस राशि मे निम्नलिखित शेष शामिल है:

	रु.
२०११-१२ के दौरान इतिशेष	225176489
(+) व्यय से अधिक २०११-१२ - भविष्य निधि	2701012
(+) व्यय से अधिक २०११-१२ - ओ टी सी	25382317
(-) आय से अधिक २०११-१२ - परियोजना	-151957
	253107861

सही अथशेष २२,५१,७६,४८९.०० रु. है। एन आई टी टी टी आर भविष्य निधि, ओटीसी और परियोजना से संबंधित समेकित अथशेष अनुसूची-१ में जोड़ा गया है। इसलिए अथशेष में अंतर आ गया है। फिर २०१३-१४ के वार्षिक लेखे में इसे परिशोधित किया जाएगा।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३।

वर्ष २०१२-१३ के लिए

अनुसूची - ३

उद्दिष्ट / धर्मस्व निधियाँ	योजना	पीडब्ल्यूडी	एआईसीटीई/	राजीव गांधी	ओएससी	योग (अ)
	अनुदान	योजना	एसडीपी	एन एफ/डब्ल्यू	विशेष अनुदान	
अ) निधियों का अथ शेष *	**6799135.00**	**293029.00**	**43100.00**	**24022.00**		**7159286.00**
आ) निधियों में परिवर्धन						
i दान/अनुदान	48814000.00					48814000.00
ii निधि लेखे में निवेश से प्राप्त आय						
iii अन्य जोड (प्रकार विनिर्दिष्ट करें)						0.00
कुल (अ + आ)	**55613135.00**	**293029.00**	**43100.00**	**24022.00**	**0.00**	**55973286.00**
इ) निधियो के उद्देश्यो का उपयोग/व्यय						
i पूँजी व्यय						
- अचल परिसंपत्तियाँ	24393184.00					24393184.00
- अन्य	19359536.00					19359536.00
कुल	**43752720.00**				**0.00**	**43752720.00**
ii राजस्व व्यय						
- वेतन, मजदूरी व भत्ता आदि						
- किराया						
- अन्य प्रशासनिक व्यय						
कुल						
कुल उपयोग / व्यय	43752720.00					43752720.00
वर्ष के अंत मे निवल शेष (अ+आ-इ)	**11860415.00**	**293029.00**	**43100.00**	**24022.00**	**0.00**	**12220566.00**

* महा लेखा परीक्षक की टिप्पणी के अधार पर २००९-१० से आवश्यक परिशोधन किया गया है और ६७,९९,१३५.०० रु. का अथशेष प्राप्त किया गया है। २००९-१० से २०११-१२ के दौरान किए गए परिशोधन का विवरण पृथक रूप से सूचना के लिए दिया गया है।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नै
३१ मार्च, २०१३ तक के तुलन पत्र के अंश के रुप में संलग्नित अनुसूची

चालू देयताएँ और प्रावधान

अनुसूची - 7

क्रम. सं.	विवरण	चालू वर्ष 2012-13 रु.पै.	गत वर्ष 2011-12 रु.पै.
1	**बकाया व्यय:**		
	कर्मचारी वेतन	4710682.00	3247269.70
	टेलीफोन प्रभार	15154.00	
	पेंशन भुगतान	1703218.00	1467789.00
	अनुसंधान अधिसदस्यता	44484.00	
	वाहन अनुरक्षण	4959.00	4959.00
	जल प्रभार	29880.00	
	विद्युत प्रभार	209672.00	
	विद्युत अनुरक्षण	5975.00	5975.00
	एन पी एस अंशदान देय	62418.00	52547.00
	जोड अ	**6786442.00**	**4778539.70**
2	**वापसी योग्य जमा राशियाँ:**		
	बयाना जमा राशि	369244.98	369244.98
	कर्मचारी मकान के लिए जमानती राशि		35000.00
	पीएचडी के लिए जमानती राशि	25500.00	27000.00
	समुदाय हाल के लिए जमा	174.00	
	केंटीन के लिए जमानती रशि	6000.00	6000.00
	प्रतिभूति जमा राशि	679684.00	874772.00
	एमटेक-मा.सं.वि के लिए छात्रवृति जमा	224875.00	224875.00
	जी एस एल आई एस	10971.00	10971.00
	आवासी प्रभार - हॉस्टल	42480.00	42480.00
	कर्मचारी मकान	36000.00	
	अनुसंधान छात्र - एफ आई पी	170000.00	170000.00
	जोड आ	**1564928.98**	**1760342.98**
3	**अन्य देयताएँ:**		
	नया क्षेत्र पाठ्यक्रम शुल्क वापसी योग्य	2000.00	2000.00
	सेवा कर	502990.00	
	टी डी एस	105965.00	
	वित्तीय परियोजनाएँ २०११-१२	9904498.43	
	काफमो उपकरण	81889.00	81889.00
	तमिलनाडु किताब घर	2731.00	2731.00
	समुदाय हाल के लिए जमा	29391.00	29391.00
	ओ टी सी	28734513.00	16905125.00
	वेतन कटौती देय	1422445.30	1422445.30
	संपत्ति कर देय	130382.00	130382.00
	लेखा परीक्षा व्यय - देय	56290.00	56290.00
	शेष आस्तियों के क्रय के लिए प्रावधान	3963628.00	
	जोड इ	**44936722.73**	**18630253.30**
	विविध लेनदार	**442678.00**	
	जोड ई	**442678.00**	
	कुल योग (अ + आ + इ + ई)	**53730771.71**	**25169135.98**

अनुसूची - 8

अचल आस्तियाँ

वर्णन	ग्रॉस ब्लॉक					अवमूल्यन			नेट ब्लॉक		
	लागत / मूल्यांकन साल के प्रारंभ में (ग्रॉस)	वर्ष के दौरान जोड़ सितंबर के पहले	वर्ष के दौरान जोड़ सितंबर के बाद	वर्ष के दौरान कटौतियॉं	वर्ष के दौरान लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान जोड़	वर्ष के दौरान कटौतियॉं	वर्ष के अंत तक कुल	३१.०३.१३ को समाप्त चालू वर्ष	३१.०३.१२ को समाप्त गत वर्ष
	1	2	3	4	5 (1+2+3+4)	6	7	8	9 (5+6+7+8)	10 (5-9)	11
भूमि											
मुक्त भूमि	268500				268500					268500	268500
पट्टे की भूमि											
भवन	64328394	5538446	16718309		86585149	29868167	7822599		37690766	78762550	64328394
संयत्र, मशीन और उपस्कर	21176045				21176045	63417386	3176407		66593793	17999638	21176045
वाहन	556485				556485	1193501	83473		1276974	473012	556485
फर्निचर, फिक्सचर	4711822	65505			4777327	5494258	477733		5971991	4299594	4711822
कार्यालय उपस्कर	747635	296909	435159		1479703	806433	126212		932645	1353491	747635
कम्प्यूटर पेरिफेरल	19314053	8950	401400		19724403	67730997	11714222		79445219	8010181	19314053
विद्युत अधिष्ठापन	178267				178267	314416	26740		341156	151527	178267
पुस्तकालय के लिए किताबें	4072711				4072711	3730436	610907		4341343	3461804	4072711
स्मार्ट कक्षा वातानुकूलित	3126674				3126674	1241524	1876004		3117528	1250670	3126674
अन्य परिसंपत्तियाँ	1342135		928506		2270641	1014810	270958		1285768	1999683	1342135
कुल	**119822721**	**5909810**	**18483374**		**144215905**	**174811928**	**26185255**		**200997183**	**118030650**	**119822721**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नै
३१ मार्च, २०१३ तक के तुलन पत्र के अंश के रुप में संलग्नित अनुसूची
चालू आस्तियॉ ऋण और अग्रिम
अनुसूची - 11 - अनुसूची - 18

क्रम. सं.	विवरण	चालू वर्ष 2012-13 रु.पै.	गत वर्ष 2011-12 रु.पै.
1	(अ) चालू आस्तियाँ:		
	इति रोकड़ शेष (स्थायी अग्रिम)	107600.00	102600.00
	बैंक शेष		
	इति बैंक शेष	126925872.94	77639858.83
	राजीव गाँधी राष्ट्रीय अधिसदस्यता	3960.00	3731.00
	खेलकूद	21853.27	
	जोड अ	**127059286.21**	**77746189.83**
2	(आ) अंतिम स्टॉक:		
	डाक व्यय	10287.00	14625.00
	विद्युत अनुरक्षण	41650.00	41650.00
	भवन अनुरक्षण	6376.00	6376.00
	जोड आ	**58313.00**	**62651.00**
3	(इ) ऋण व अग्रिम:		
	कर्मचारी		
	त्योहार अग्रिम	203449.00	242449.00
	कम्प्यूटर अग्रिम	28600.00	-
	सवारी अग्रिम	89301.00	146060.00
	भवन निर्माण अग्रिम	466429.00	552923.00
	बाढ़ कर्ज़ अग्रिम	3800.00	3800.00
	विकलांग व्यक्तियों को	13893.00	13893.00
	अन्य - अस्थायी अग्रिम	297500.00	296300.00
	चिकित्सा अग्रिम		154848.00
	जोड इ	**1102972.00**	**1410273.00**
	प्राप्य अग्रिम और राशि नकद में या किसी किस्म में		
	उद्योग में प्रतिभूति जमा	275.00	275.00
	एमईएस में प्रतिभूति जमा	371170.00	371170.00
	ईसी प्रतिभूति जमा	2551.00	2551.00
	ईसीएच जमा	1000.00	1000.00
	टेलीफोन कार्यालय में जमा	103893.00	112893.00
	एस ई पी डबल्यू डी में जमा	152.40	152.40
	इंडियन ऑयल में कार्पोरेशन में जमा	500.00	500.00
	डाक घर में जमा	100.00	100.00
	सी पी डबल्यू डी में जमा	48644000.00	48644000.00
	पी डबल्यू डी में जमा	17468721.00	18638668.00
	ईंधन फर्म में जमा	25000.00	25000.00
	एम एल एन एन जमा	10000.00	10000.00
	जोड ई	**66627362.40**	**67806309.40**
	प्राप्य आय		
	एआईसीटीई ग्रीष्मकालीन स्कूल	131303.00	131303.00
	एआईसीटीई शीतकालीन स्कूल	522332.00	522332.00
	शिक्षुता प्रशिक्षण बोर्ड प्रशिक्षण	1968.00	66414.00
	परियोजना लेखा *	-50790.00	-50790.00
	ए आई सी टी ई का प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम	146686.00	146686.00
	एच बी ए ब्याज - उपचित	239822.00	239822.00
	परामर्श शुल्क प्राप्य	1153497.00	1153497.00
	जोड उ	**2144818.00**	**2209264.00**
	कुल जोड अ से उ तक अनुसूची ११ (१)	**196992751.61**	**149234687.23**

* अनुसुची-११ के तहत परियोजना को प्राप्य आय को (-)५०,७९०.०० दिया गया है। महा लेखा परीक्षक की टिप्पणी में इसका जिक्र किया गया है। २०१३-१४ के लेखे में इसका परिशोधन किया जाएगा।

	बीमा		
	पूर्वदत्त बीमा	55313.00	-
	जोड ए	**55313.00**	
	जोड ऐ	**0.00**	**0.00**
	योग (अ से ऐ तक) अनुसूची ११ (२)	**55313.00**	**0.00**
	कु ल अनुसूची ११ (१+२)	**197048064.61**	**149234687.23**
12	**क्रय/सेवाओं से आय**		
	कर्मचारी आवास किराया	1186375.00	954655.00
	अतिथि गृह कमरा किराया	190871.00	91520.00
	हास्टल कमरा किराया	2033622.00	1500.00
	छठा सीपीसी वेतन वसूली - वेतन	182011.00	-
	किताबों की बिक्री और सी डी	78473.00	13178.00
	संस्थान परिसर किराया / फिल्म शूटिंग शुल्क	45000.00	
	कुल अनुसूची १२	**3716352.00**	**1060853.00**
13	**आर्थिक सहायता अनुदान:**		
	भारत सरकार सहायता अनुदान गैर-योजना	93500000.00	99000000.00
	भारत सरकार सहायता अनुदान योजना आवर्ती	18814000.00	20000000.00
	भारत सरकार सहायता अनुदान योजना (पूँजीगत आस्तियाँ)	1643188.00	37000000.00
	कुल अनुसूची १३	**113957188.00**	**156000000.00**
14	**शुल्क और अभिदान:**		
	आवेदन पत्र शुल्क	5500.00	-
	पाठ्यक्रम शुल्क	65350.00	1321432.00
	आईडीडीएस राजस्व प्राप्तियाँ	262450.00	-
	एमटेक प्रवेश शुल्क	20000.00	-
	एमटेक (मा सं वि) शिक्षा शुल्क	150000.00	-
	पी हेचडी प्रवेश शुल्क	4000.00	-
	पी हेचडी शिक्षा शुल्क	1042000.00	-
	कुल अनुसूची १४	**1549300.00**	**1321432.00**
15	**निवेशों से आय:**		
	विशेष सावधि जमा राशि पर ब्याज	3774649.00	4043541.00
	बैंक खाते पर ब्याज	1481666.00	68.00
	कुल अनुसूची १५	**5256315.00**	**4043609.00**
16	**रॉयल्टी व प्रकाशन से आय**		
	रॉयल्टी	145165.27	79435.54
	तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा पत्रिका	-	400.00
	कुल अनुसूची १६	**145165.27**	**79835.54**
17	**अर्जित ब्याज:**		
	सवारी अग्रिम पर ब्याज	65141.00	-
	भवन निर्माण अग्रिम पर ब्याज	-	6804.00
	प्राप्त ब्याज	-	-
	कुल अनुसूची १७	**65141.00**	**6804.00**
18	**अन्य आय :**		
	फुटकल राजस्व प्राप्तियाँ	95462.00	194752.00
	आई एस पी ए सम्मेलन	-	13331.00
	अनुज्ञप्ति शुल्क	71343.00	77793.00
	निविदा शुल्क	3120.00	-
	राष्ट्रीय कार्यशाला	-	38250.00
	आई डी डी एस	46889.00	477554.00
	सी पी एस सी पाठ्यक्रम २०१२-१३	-	69750.00
	कुल अनुसूची १८	**216814.00**	**871430.00**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नै

३१ मार्च, २०१३ तक के तुलन पत्र के अंश के रुप में संलग्नित अनुसूची

अनुसूची २० से अनुसूची २२ तक

क्रम. सं.	विवरण	चालू वर्ष 2012-13 रु.पै.	गत वर्ष 2011-12 रु.पै.
20	**स्थापना व्यय**		
	वेतन व मजदूरी	62396300.00	60268502.00
	छुट्टी यात्रा रियायत	328401.00	171423.00
	संतान शिक्षण भत्ता	856722.00	811024.00
	चिकित्सा प्रतिपूर्ति	1667087.00	1390871.00
	व्यावसायिक विकास व्यय	286621.00	163055.00
	भविष्य निधि अंशदान		3569446.00
	पेंशन संराशीकरण	3203471.00	-
	प्रदत्त पेंशन	21819661.00	18818879.00
	मृत्यु एवं सेवा निवृत्ति उपदान	3009153.00	4869453.00
	अर्जित छुट्टी नकदीकरण	2734646.00	3495129.00
	तदर्थ बोनस	249263.00	325004.00
	ए जी आडिट को एल एस व पी सी	409584.00	-
	कुल अनुसूची २०	**96960909.00**	**93882786.00**
21	**अन्य प्रशासन व्यय**		
	विद्युत प्रभार	3621110.00	2499430.00
	अतिथि गृह व्यय	234331.00	-
	छात्रावास व्यय	51345.00	-
	जल प्रभार	689256.00	301218.00
	जल कर	56392.00	53493.00
	संपत्ति कर	130382.00	95071.00
	बीमा	32709.00	-
	वाहन अनुरक्षण	232129.00	488016.00
	भवन अनुरक्षण (गैर योजना)	-6046.00	13663015.00
	विद्युत ए सी अनुरक्षण	1529230.00	1664540.00
	फर्नीचर अनुरक्षण		73701.00
	या.भ. व म.भ. आंतरिक		381695.00
	यात्रा / सवारी	376571.00	-
	दूरभाष व ट्रंककाल	299704.00	400672.00
	डाक व्यय	80328.00	117080.00
	विज्ञापन	42637.00	138350.00
	वर्दी		6274.00
	विधि प्रभार	1175400.00	144500.00
	उपभोज्य		214543.00
	प्रदत्त सेवा कर	405988.00	
	फुटकर व बैंक शुल्क	531677.00	693490.00
	अंतः खैलकूद प्रतियोगिता	261702.00	976045.00
	सुरक्षा शुल्क	1768590.00	1650251.00
	गणतंत्र दिवस समारोह		19750.00
	कुल अनुसूची २१	**11513435.00**	**23581134.00**

22	**अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय**		
	कर्मचारी विकास कार्यक्रम	9346019.00	8972139.00
	शिक्षु प्रशिक्षार्थियों को छात्रवृति	41950.00	117278.00
	भवन अनुरक्षण (योजना)	2185323.00	-
	विकास व्यय	1054785.00	277173.00
	प्रलेखीकरण	-	225939.00
	पत्रिकाएँ	15220.00	69145.00
	छपाई व लेखन सामग्री	216969.00	29583.00
	प्रयोगशाला व कार्यालय उपकरणों का अनुरक्षण	1430309.00	1142880.00
	अनुसंधान फेलोशिप	1869578.00	2720571.00
	तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा पत्रिका	-	36019.00
	अतिथि वक्ता पारिश्रमिव्य	302500.00	634175.00
	प्रयोगशाला के लिए उपभोज्य सामग्रियाँ	33912.00	-
	डबल्यूआईडीडीएस	2173294.00	-
	कौशल विकास (योजना)	2810.00	-
	वेब प्रभार	211738.00	782771.00
	लेखा परीक्षा शुल्क	-50000	
		18834407.00	**15007673.00**
	अन्य व्यय		
	अतिथि गृह व्यय (२०१२-१३ प्रशा. व्यय में लिया गया)	-	162105.00
	राष्ट्रीय कौशल विकास और निमी (गैर योजना)	-	257356.00
		18834407.00	**419461.00**
	कुल अनुसूची २२	**18834407.00**	**15427134.00**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३ ।

समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (ओ टी सी)

३१ मार्च, २०१३ को तुलन पत्र

देयताएँ	राशि 12-13	राशि 11-12	आस्तियाँ	राशि 12-13	राशि 11-12
लाभ और हानि लेखा	35317558.00	25382317.00	एस डी आर		5055645.00
			अस्थायी अग्रिम	373530.00	290780.00
			रा त शि प्र अ सं अंशदान	11829388.00	11849480.00
			इतिशेष		
			ऐक्सिस बैंक	23114640.00	8186412.00
कुल	**35317558.00**	**25382317.00**	कुल	**35317558.00**	**25382317.00**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान,
तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३
समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (ओ टी सी)
३१.०३.२०१३ को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

	2012-13	2011-12		2012-13	2011-12
पुस्तकें और पत्रिकाएँ	336409.00	491417.00	परियोजना प्राप्तियाँ	16082371.00	25439723.00
सीडीआईएमडी - XXIX बैच	782589.00	47688.00	ब्याज बैंक	279133.00	252434.45
उपभोज्य वस्तुएँ	81306.00	36385.00			
डीटीईएमडीजी	956441.00				
जीआईएसएआरपी	642535.00				
एम एल पी ओ टी सी व्यय	1128626.00	92205.00			
अतिथि गृह - आवास भोजन	594742.00	229849.00			
ओ टी सी मा सं वि पाठ्यक्रम	686811.00	68298.00			
ओ टी सी डब्ल्यू ई टी ई पाठ्यक्रम		41496.00			
बैठक व्यय	183805.00	7743664.00			
अध्ययन दौरा व्यय	788522.00	357685.00			
एसडीईएम बैच	1006755.00	321134.00			
वाहन अनुरक्षण		7550.00			
यात्रा व सवारी	417933.00	271138.00			
डब्लयूईटीटीवीई	427014.00				
डब्लयू क्यू ए-१ बैच	873424.00	57929.00			
व्यय से अधिक आय	7454592.00	15925719.45			
कुल	**16361504.00**	**25692157.45**	कुल	**16361504.00**	**25692157.45**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान,
तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३
समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (ओ टी सी)
३१.०३.२०१३ को समाप्त होनेवाले वर्ष का प्राप्तियाँ और आदायगीयाँ लेखा

	12-13	11-12		12-13	11-12
अथ शेष			स.प्र.पा व्यय	8906912.00	4962780.00
एक्सिस बैंक	8186412.00	4739276.55	अस्यायी अग्रिम	-5604509.00	5068321.00
			वाहन अनुरक्षण		7550.00
स.प्र.पा प्राप्तियाँ	16082371.00	547660.00	टी डी एस प्रदत्त		25910.00
ब्याज बैंक	279133.00	252434.45			
रा त शि प्र अ सं. अंशदान	1869127.00	12711602.00	**इति शेष**		
			ऐक्सिस बैंक	23114640.00	8186412.00
कुल	**26417043.00**	**18250973.00**	कुल	**26417043.00**	**18250973.00**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३
परियोजना लेखा
३१.०३.२०१३ को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए तुलन पत्र

देयताएँ	राशि रु.पै.	परिसंपतियाँ	राशि रु.पै.
	2012-13		2012-13
०१-टीएनपीएल/एसएमओएच/२००९-१०	18943.00		
०२-टीएनपीसीबी/एसएमओएच/२००९-१०	29502.00	इति शेष	
०३-रामके/एसएमओएच/२००९-१०	78728.00		
०४-इलक्ट्रो/एसएमओएच/२००९-१०	168540.00	इंडियन ओवरसीज़ बैंक	5727071.43
०५-पीडब्लयूडी/एसएमओएच/२००९-१०	28859.00	एलसी परियोजना एसडीआर	1690250.00
०६-एमकेयू/टीजीएस/२००९-१०	120528.00	अस्यायी अग्रिम	61500.00
०७-सीजीडब्लयू/एसएमओएच/२००९-१०	200000.00		
०८-एबीएन/एमओएच/२००९-१०	287481.43		
०९-एमओईएफ.ईएसी/एसएमओएच/२००९-१०	500.00	आय से अधिक व्यय	14512.00
१०-टीएनपीएल-२/एसएमओएच/२००९-१०	46037.00		
११-टीएनआरएसपी/एसएमओएच/२००९-१०	129230.00		
१२-एनएलसी/एसएमओएच/२००९-१०	272718.00		
१३-ईटीईटीटीटीएस/एसएमओएच/२००९-१०	1051074.00		
१४-टीएनक्यू-लेराला/एसएमओएच/२०१०-११	30058.00		
१५-टीवीएससीबी.टीएसएस/एसएमओएच/२०१०-११	315851.00		
१६-टीएनएससीबी.रे/एसएमओएच/२०१०-११	112676.00		
१७-टीएनडब्लयूएमएल/पी२/एसएमओएच/२०१०-११	97647.00		
१८-डीपीडीओटीएम/एसएमओएच/२०१०-११	60297.00		
१९-ईसीएमएमडब्लयूडी/एसएमओएच/२०१०-११	173178.00		
२०-डीडब्लयूपीडीसीऐसीटी/एसएमओएच/२०१०-११	433639.00		
२१-आरडब्लयूई/एसएमओएच/२०१०-११	660535.00		
२२-एलटीटी/एसएमओएच/२०१०-११	37196.00		
२४-डीपीआर/बोट/एसएमओएच और वीटी/२०१०-११	834730.00		
२५-डीपीएफ/लेक.एसडीपी/एसएमओएच/२०१०-११	158336.00		
२६-सीईएमएलटी.०१/एसएमओएच/२०१०-११	1382.00		
२७-सीईएम/वीईडी.टीआरएल/एसएमओएच/२०१०-११	31883.00		
२८-सीईएमडब्लयूपीडीटी.टीआर२/एसएमओएच/२०१०-११	35397.00		
२९-पीडब्लयूसीडीपी/२०१०-११	49208.00		
३१-सीईएम/एलटी.०२/एसएमओएच/२०११-१२	7250.00		
३२-पीडब्लयूडी/डीऐएस.एनआर/एल१/एसएमओएच/२०११-१२	38488.00		
३३-एनसीपी/एसडीपी/सीडीसी/२०११-१२	1000000.00		
३४-सीऐसीटी.ईएमसी/आरटी/२०११-१२	51423.00		

३५-सीईएम/एलटी और जार/एसएमओएच/२०११-१२	8000.00		
३६-सीईएम/एसपीएसी.ईऐए/एसएमओएच/२०११-१२	90037.00		
३७-सीईएम/डब्ल्यूआरडी.पीडब्लयूडी/एसएमओएच/२०११-१२	82461.00		
३८-सीईएम/पीडब्लयूडी.सीएऐडब्लयूएम.आर/एसएमओएच/२०११-१२	55171.00		
३९-सीईएम/पीडब्लयूडी/डीऐएस.आर/एसएमओएच/२०११-१२	44356.00		
४०-सीईएम/रे/टीवीएल/एसएमओएच/२०११-१२	-367394.00		
४१-सीईएम/रे/टीआरओय/एसएमओएच/२०११-१२	-1921513.00		
४२-सीडीसी/टीएनबीसीबी(बीपी)/एसडीपी/२०११-१२	126817.00		
४३-सीईएम/रे/सीपीई/एसएमओएच/२०११-१२	-1007991.00		
४४-टीएनआरएसपी/सीएसपी/एसएमओएच/२०११-१२	1139050.00		
४५-टीएनएससीबी/साईएल.टीआरओय/एसएमओएच/२०११-१२	174420.00		
४६-सीईएम/टीएनआरएसपी.टीआरजी/एसएमओएच/२०११-१२	1004758.00		
४७-रामके.पी२सीएस/एसएमओएच/२०११-१२	132371.00		
४८-ईटीएमएम/टीएनपीसीबी.ईएस/एसएमओएच/२०१२-१३	189099.00		
४९-ईटीएमएम/टीएनपीसीबी.ईएस/एसएमओएच/२०१२-१३	-4804.00		
५०-सीईएम/एसडीपी/एसएमओएच/२०११-१२	84225.00		
५१-सीईएम/रैइटस/एसएमओएच/२०१२-१३	17804.00		
५२-टीएनएससीपी/ओआरटी/एसएमओएच/२०११-१२	79771.00		
५३-आरयूएसएस/एसएमओएच/२०११-१२	862555.00		
५४-टीएनएससीबी-वीओएल-३/एसएमओएच/२०१२-१३	83634.00		
५६-रैटीस-II/एसएमओएच/२०१२-१३	53192.00		
५७-आरएम-साईएल/एसएमओएच/२०१२-१३	6000.00		
कुल	**7493333.43**	**कुल**	**7493333.43**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३

परियोजना लेखा

३१.०३.२०१३ को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

व्यय	राशि रु. पै.	आय	राशि रु. पै.
बैंक प्रभार	1,500.00	सावधि जमा पर ब्याज (एलसी एफडी)	92,551.00
एलसी प्रारंभिक प्रभार	105,563.00		
		व्यय से अधिक आय	14,512.00
	107,063.00		**107,063.00**

परियोजना लेखा

३१.०३.२०१३ को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए प्राप्तियाँ और अदायगी लेखा

प्राप्तियाँ	रु.	रु.	अदायगी	रु.	रु.
अथ शेष					
इंडियन ओवरसीज़ बैंक			१३-ईटीईटीटीटीएस/एसएमओएच/२००९-१०	18943.00	
			१७-टीएनडब्लयूएमएल/पी२/एसएमओएच/२०१०-११	13103.00	
सीडी-१०१ लेखा	5041938.43		१८-डीपीडीओटीएम/एसएमओएच/२०१०-११	124540.00	
एलसी-एसडीआर	2549618.00	7591556.43	१९-ईसीएमएमडब्लयूडी/एसएमओएच/२०१०-११	175372.00	
अस्थायी अग्रिम		596000.00	२०-डीडब्लयूपीडीसीऐसीटी/एसएमओएच/२०१०-११	83500.00	
			२१-आरडब्लयूई/एसएमओएच/२०१०-११	90697.00	
२१-आरडब्लयूई/एसएमओएच/२०१०-११	409184.00		४०-सीईएम/रे/टीवीएल/एसएमओएच/२०११-१२	164709.00	
२४-डीपीआर/बोट/एसएमओएच और वीटी/२०१०-११	235000.00		४१-सीईएम/रे/टीआरओय/एसएमओएच/२०११-१२	1329253.00	
४०-सीईएम/रे/टीवीएल/एसएमओएच/२०११-१२	363897.00		४२-सीडीसी/टीएनबीसीबी(बीपी)/एसडीपी/२०११-१२	170000.00	
४१-सीईएम/रे/टीआरओय/एसएमओएच/२०११-१२	188574.00		४३-सीईएम/रे/सीपीई/एसएमओएच/२०११-१२	734411.00	
४३-सीईएम/रे/सीपीई/एसएमओएच/२०११-१२	223755.00		४४-टीएनआरएसपी/सीएसडी/एसएमओएच/२०११-१२	200000.00	
४४-टीएनआरएसपी/सीएसडी/एसएमओएच/२०११-१२	1008150.00		४६-सीईएम/टीएनआरएसपी-टीआरजी/एसएमओएच/२०११-१२	892842.00	
५०-सीईएम/एसडीपी/एसएमओएच/२०११-१२	84225.00		४७-रामके.पीरसीएस/एसएमओएच/२०११-१२	88229.00	
५२-टीएनएससीपी/ओआरटी/एसएमओएच/२०११-१२	99270.00		५२-टीएनएससीपी/ओआरटी/एसएमओएच/२०११-१२	19499.00	
५३-आरयूएसएस/एसएमओएच/२०११-१२	2224651.00		५३-आरयूएसएस/एसएमओएच/२०११-१२	1362096.00	
४८-ईटीएमएम/टीएनपीसीबी-ईएस/एसएमओएच/२०१२-१३	280900.00		४८-ईटीएमएम/टीएनपीसीबी-ईएस/एसएमओएच/२०१२-१३	91801.00	
४९-ईटीएमएम/टीएनपीसीबी.ईएस/एसएमओएच/२०१२-१३	152809.00		४९-ईटीएमएम/टीएनपीसीबी.ईएस/एसएमओएच/२०१२-१३	157613.00	
५१-सीईएम/रैइटस/एसएमओएच/२०१२-१३	42355.00		५१-सीईएम/रैइटस/एसएमओएच/२०१२-१३	24551.00	
५४-टीएनएससीबी-वीओएल-३/एसएमओएच/२०१२-१३	123086.00		५४-टीएनएससीबी-वीओएल-३/एसएमओएच/२०१२-१३	39452.00	6189271.00
५६-रैटीस-II/एसएमओएच/२०१२-१३	53192.00				
५७-आरएम-साईएल/एसएमओएच/२०१२-१३	6000.00	5495048.00	बैंक प्रभार		1500.00
सावधि जमा पर ब्याज (एलसी एफडी)		92551.00	एलसी प्रारंभिक प्रभार		105563.00
			इति शेष		
			इंडियन ओवरसीज़ बैंक		
			सीडी-१०१ लेखा	5727071.43	
			एलसी-एसडीआर	1690250.00	7417321.43
			अस्थायी अग्रिम		61500.00
कुल		**13775155.43**	कुल		**13775155.43**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नई - ६०० ११३।

लेखा सिद्धांत

अनुसूची - 24 - उल्लेखतीय लेखा नीतियाँ

१. लेखा परंपरा

अ) वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परंपरा के आधार पर तैयार किए जाते हैं जब तक कि अन्यथा कथित न हो या संमिश्र लेखा प्रणाली पर न हो।

आ) यह संस्थान भारत सरकार के मानव संसाधन विकास द्वारा वित्त पोषित है, अनुदान प्राप्त करता है और निम्नलिखित तीन समुचत अनुसूचियों के साथ संकलन करता है। जब तक कि अन्यथा कथित न हो या संमिश्र लेखा प्रणाली पर न हो।

अनुसूचियाँ:

- तुलन पत्र
- आय-व्यय लेखा
- प्राप्ति और अदायगी लेखा

२. मूल्यह्रास:

आयकर अधिनियम, १९६१ में निर्दिष्ट दर के अनुसार मूल्यह्रासित मूल्य विधि पर मूल्यह्रास्ति का प्रावधान है।

३. सेवानिवृत्ति सुविधाएँ:

मृत्यु/सेवा निवृत्ति पर देय उपदान देयता भुगतान के आधार पर चुकाया जाता है।

४. भूमि का मूल्य:

चूँकि राज्य सरकार ने संस्थान को भूमि सुपुर्द नहीं की है भूमि का मूल्य ज्ञात नहीं है।

५. गतवर्ष (२०११-१२) की लेखा परीक्षा टिप्पणी को दृष्टि में रखकर परियोजना लेखा, स पा पा, भ.नि. और एन पी एस मिलाए गए है और एक प्राप्ति अदायगी, आय-व्यय और तुलन पत्र तैयार किए गए है (पृथक रुप से पुनरीक्षित)

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३।

फार्म जी एफ आर 19A
(जी एफ आर 2005 का नियम 212(1) देखें)

योजना पूँजीगत आस्त्यिों को वर्ष २०१२-१३- का उपयोग प्रमाण पत्र (अनावर्ती)

(अनंतिम)

क्रम सं.	पत्र सं. व दिनांक	रकम रु.	
१.	Lr. No.6-13/2012 TS.IV, dt: 19.09.2012 (सामान्य) Rs.2,34,00,000 (एस सी) Rs. 45,00,000 (एस टी) Rs. 21,00,000	3,00,00,000	प्रमाणित किया जाता है कि वर्ष २०१२-१३ के दौरान हाशिए में दर्शाए इस मंत्रालय / विभाग की पत्र संख्या के अधीन निदेशक एनआईटीटीटीआर, चेन्नई के नाम सहायता अनुदान के रूप में स्वीकृत राशि ३,००,००,०००/-रु. और गत वर्ष की अव्ययित शेष राशि ३,२२,४२०/-रु. में से २,४३,९३,१८४/-रु. योजना (पूँजीगत आस्तियों) के लिए खर्च किए गए जिस के लिए यह राशि मंजुर की गई थी, और योजना अनुदान (पूँजीगत आस्त्यिों) में अन्प्रयुक्त शेष राशि ५९,२९,२३६/- रु. २०१३-१४ (अगले वर्ष) में समायोजित किए जाएँगे।
	योग	3,00,00,000	

मैं पूर्णत: संतुष्ट होकर प्रमाणित करता हूँ कि जिन शर्तों पर सहायता अनुदान मंजूर किया गया उनका विधिवत पालन हुआ है और यह पता लगाने के लिए कि रुपए इसी उद्देश्य के लिए खर्च किए गए मैने निम्नलिखित जाँच की।

जाँच किये गये प्रकार

१. मासिक व्यय
२. त्रैमिसिक व्यय
३. बैंक समाधान

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक
प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नई - ६०० ११३।

2012 - 13
का भविष्य निधि लेखा

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३
भविष्य निधि लेखा
३१.०३.२०१३ तक का तुलन पत्र

देयताऍं	राशि रु. पै.	राशि रु. पै.	परिसंपतियॉं	राशि रु. पै.	राशि रु. पै.
अभिदाता लेखा			**अस्थायी अग्रिम**		
जी पी एफ 01.04.2012 में शेष	23,959,104.76		जीपीएफ 01.04.12 में शेष	2,449,559.30	
जोड़िए: अभिदान 2012-13 में	5,083,072.00		जोड़िए: 2012-13 में अग्रिम	1,190,069.00	
जोड़िए: अभिदान पर ब्याज	1,664,735.00				
जोड़िए: बकाया			घटायें : अग्रिमों की वसूली	1,674,327.00	
	30,706,911.76		घटायें : आंशिक/अंतिम भुगतान में परिवर्तित अग्रिम	10,209.00	1,955,092.30
घटायें : आंशिक/अंतिम भुगतान	4,906,227.00				
घटायें : आंशिक/अंतिम भुगतान में परिवर्तित अग्रिम	10,209.00	25,790,475.76	सी पी एफ 01.04.2012 में शेष		6,816.00
			निवेश		
			विशेष जमा - आई ओ बी	1,500,000.00	
			विशेष जमा - एस बी आई	1,400,000.00	
			आर डी पी	7,000,000.00	
एनपीएस 01.04.2012 को	4,972,263.00		एस टी डी	4,000,000.00	13,900,000.00
जोड़िए: अभिदान २०१२-१३ में	710,402.00				
जोड़िए: अभिदान पर ब्याज					
		5,682,665.00			
सीपीएफ अदावी शेष		3,286.45	**निवेश पर आय**		
			आई ओ बी	1,304,732.00	
नियोक्ता अंशदान		-231,862.00	एस बी आई	1,220,393.00	2,525,125.00
अदावी शेष		11,170.00	**अल्पावधि जमा - आई ओ बी**		8,000,000.00
31.03.2012 तक व्यय से अधिक आय	2,701,012.50		**इति शेष**		8,204,565.41
जोड़िए: २०१२-१३ के दौरान व्यय से अधिक आय	634,851.00				
31.03.2013 तक व्यय से अधिक आय		3,335,863.50			
		34,591,598.71			**34,591,598.71**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नई - ६०० ११३

भविष्य निधि लेखा

३१.०३.२०१३ को समाप्त आय व व्यय लेखा

व्यय	राशि रु. पै.	राशि रु. पै.	आय	राशि रु. पै.	राशि रु. पै.
अभिदाताओं के खाते में जमा ब्याज			**निवेशों पर ब्याज**		
जीपीएफ	1,664,735.00		आई ओ बी विशेष जमा राशि	246,846.00	
एन पी एस		1,664,735.00	एस बी आई विशेष जमा राशि	230,594.00	477,440.00
व्यय से अधिक आय		634,851.00			
			निवेशों पर ब्याज		
			अल्पावधि जमा पर ब्याज	1,541,864.00	
			एस बी खाते पर ब्याज	280,282.00	
					1,822,146.00
		2,299,586.00			**2,299,586.00**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नई - ६०० ११३

भविष्य निधि लेखा

३१.०३.२०१३ को समाप्त प्राप्तियाँ व अदायगी लेखा

प्राप्तियाँ	राशि रु. पै.	राशि रु. पै.	अदायगी	राशि रु. पै.	राशि रु. पै.
अथ शेष		7,533,474.41			
अभिदान			**अस्थायी अग्रिम**		
जी पी एफ	5,083,072.00		जी पी एफ		1,190,069.00
एन पी एस	710,402.00	5,793,474.00	**चंदो से आंशिक / अंतिम भुगतान**		
अग्रिम की वसूली			जी पी एफ - आंशिक निकासी	4,141,200.00	
जी पी एफ	1,674,327.00	1,674,327.00	अंतिम निकासी	765,027.00	4,906,227.00
निवेश से आय			विशेष जमा राशि		3,000,000.00
आई ओ बी विशेष जमा राशि	246,846.00				
एस बी आई विशेष जमा राशि	230,594.00	477,440.00			
निवेश से आय					
अल्पावधि जमा पर ब्याज	1,541,864.00				
एस बी खाते पर ब्याज	280,282.00	1,822,146.00	**इति शेष**		8,204,565.41
		17,300,861.41			**17,300,861.41**